आज का विचार
इस दुनिया में सबसे वजनदार चीज है मतलब। जिसके निकल जाने के बाद रिश्ता भी हल्का पड़ जाता है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | वीरवार, 18 सितंबर, 2025 वर्ष 23, अंक 229, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

भगवंत मान की ओर से मिशन चढ़दी कला की शुरूआत, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फंड जुटाने की अपील

पंजाब सरकार द्वारा बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों हेतु फंड इकट्ठा करने के उद्देश्य से उठाया गया कदम

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के प्रयासों को तेज करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज मिशन चढ़दी कला की शुरूआत की है। इस मिशन के तहत पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश में बाढ़ प्रभावित लोगों को पुनः अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए की जा रही कोशिशों हेतु फंड जुटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जाएगा।

एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते समय में प्रदेश ने एक ऐसे कठिन दौर से गुजरा है जिसे हमारी पीढ़ियाँ कभी भूल नहीं सकेंगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ ने सिर्फ पानी का कहर नहीं ढाया, बल्कि लाखों सपने भी इसके पानी में बह गए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि 2300 गांव डूब गए हैं, 20 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, पांच लाख एकड़ फसल बर्बाद हो गई है, 56 कीमती जानें चली गईं और 7 लाख लोग बेघर हो गए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 3200 स्कूल बर्बाद हो गए, 19 कॉलेज मलबे में बदल गए, 1400 क्लीनिक व अस्पताल खंडहर बन गए हैं, 8500 किलोमीटर सड़कें बदतर स्थिति में पहुंच गई हैं और 2500 पुल ढह गए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 13,800 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है जबकि नुकसान इससे कहीं अधिक हो सकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भले ही यह पंजाब के इतिहास का सबसे भयावह दुखांत है, परंतु इसके साथ यह पंजाब के लिए सबसे बड़ा इम्तिहान भी है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब भी पंजाब ने किसी संकट का सामना किया है, पंजाबियों ने कभी संकट के सामने झुके नहीं, बल्कि हमेशा चट्टान की तरह हिम्मत से खड़े रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के दौरान भी युवा अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को बचा रहे थे। उन्होंने बताया कि कैसे गुरुद्वारे, मंदिर और अन्य धार्मिक स्थान मदद के लिए अपने दरवाजे खोल रहे थे और लंगर चला रहे थे, कैसे पूरा पंजाब माला के मनकों की तरह एकजुट होकर परिवार की तरह खड़ा हुआ। उन्होंने कहा कि यही हमारी सबसे बड़ी ताकत और विशेषता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है राहत और पुनर्वास से आगे बढ़ने का, क्योंकि हमारे किसान को फिर से खेती करनी है, बच्चों को फिर से स्कूल जाना है और बाढ़ पीड़ित परिवारों ने फिर से अपने घर बसाने हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मिशन चढ़दी कला की शुरूआत की गई है। चढ़दी कला का भाव झ कठिन से कठिन समय में भी हौसला बुलंद रखना, हर दुख में भी मजबूत रहना और हर अंधेरे में भी उम्मीद की रौशनी जलाए रखना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे हर पंजाबी, भारत के हर नागरिक, हमारे उद्योगपतियों, कलाकारों, चैरिटेबल ट्रस्टों और दुनिया भर में रहने वाले अपने पंजाबी भाइयों-बहनों से दिल से अपील करते हैं कि आज पंजाब को आपकी जरूरत है। उन्होंने कहा कि आइए, एकजुट होकर इस कठिन घड़ी में पंजाब का हाथ थामें और खुले दिल से मदद करें। भगवंत सिंह मान ने वादा किया कि बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु आया एक-एक पैसा पूरी ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ पुनर्वास और निर्माण कार्यों पर ही खर्च किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि पोर्टल के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों के लिए योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हम सब मिलकर फिर से साबित करेंगे कि पंजाब कभी हार नहीं मानता। पंजाब हमेशा चढ़दी कला में रहता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनके कार्यालय में वार रूम भी स्थापित किया गया है, जो मिशन चढ़दी कला से संबंधित सभी गतिविधियों की सीधे तौर पर निगरानी करेगा। उन्होंने कहा कि वे खुद रोजाना इन प्रयासों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेंगे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत कार्यों का जायजा लेने हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों से बैठक की। उन्होंने डिप्टी कमिश्नरों को बाढ़ राहत कैंपों और अन्य प्रभावित क्षेत्रों का रोजाना दौरा करने के निर्देश दिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। भगवंत सिंह मान ने उन्हें मिशन चढ़दी कला के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस मिशन के तहत इकट्ठा किया गया हर पैसा बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास पर खर्च किया जाएगा। इस मौके पर वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

स्वच्छता, नशा मुक्ति और स्वस्थ जीवन शैली को बनाएं जन आंदोलन : नायब सिंह सैनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रोहतक में किया स्वच्छता श्रमदान, पौधारोपण कर नमो मैराथन को दिखाई झंडी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता, नशा मुक्ति और स्वस्थ जीवन शैली को अब जनआंदोलन बनाना चाहिए। इस संकल्प को लेकर जनभागीदारी के साथ हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने यह बात बुधवार की सुबह रोहतक में मानसरोवर पार्क के समीप प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ड्रग फ्री हरियाणा थीम को लेकर आयोजित नमो मैराथन में पहुंचे युवाओं को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने अल सुबह रोहतक में स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। नमो मैराथन से पहले उन्होंने मानसरोवर पार्क में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने नमो मैराथन में उमड़ी युवा शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन, समर्पण, सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना का उत्सव है। प्रधानमंत्री का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। साधारण पृष्ठभूमि से असाधारण नेतृत्व की जीवन यात्रा हम सबके लिए प्रेरणा है। हमें ऐसे ऊर्जावान व्यक्तित्व पर गर्व है जिनके लिए नेतृत्व पद नहीं बल्कि सेवा, त्याग और ईमानदारी है। उनके नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, नवाचार और समावेशी विकास की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति की है और वैश्विक मंच पर देश को नई पहचान मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन सरकार ने नारी सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए उल्लेखनीय कार्य किया है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, मातृ वंदना योजना व स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से नारी शक्ति को सशक्त बनाने का कार्य किया है। उन्होंने नमो मैराथन को नशामुक्त समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को नशे से दूर कर खेल और फिटनेस की ओर ले जाना ही इस अभियान का उद्देश्य है।

उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने का आान भी किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण को धरती मां के सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सुरक्षा का संकल्प बताया। इससे पहले उन्होंने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया स्वच्छ भारत मिशन आज जन आंदोलन का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में पहुंचे युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलवाई।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री मनीष ग्रोवर, रोहतक के मेयर श्री राम अवतार वाल्मीकि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

नारी शक्ति भारत के विकास की नींव : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी (हि.स.)
धार (मध्य प्रदेश)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति को भारत के विकास की असली नींव बताते हुए देशभर की माताओं-बहनों से संकोच छोड़ कर स्वास्थ्य शिविरों में जाकर निःशुल्क जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपके उत्तम स्वास्थ्य से ज्यादा मूल्यवान कोई सरकारी तिजोरी नहीं है।

प्रधानमंत्री बुधवार को मध्य प्रदेश के धार में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान और राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि मां स्वस्थ है तो पूरा परिवार स्वस्थ रहता है और यदि मां बीमार हो जाए तो घर की पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई पहलें केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि उन बच्चों और भावी नागरिकों के लिए भी हैं, जो अभी पैदा होने वाले हैं। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना कि बच्चे स्वस्थ पैदा हों, उनकी भविष्य की भलाई और समृद्धि की नींव रखता है। यह कार्य केवल एक पीढ़ी का नहीं बल्कि अनगिनत पीढ़ियों का आशीर्वाद है।

मोदी ने मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए 2017 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पहली

संतान पर पांच हजार रुपये और दूसरी बेटी के जन्म पर छह हजार रुपये सीधे लाभार्थी माताओं के बैंक खातों में जमा किए जाते हैं। अब तक 4.5 करोड़ से अधिक गर्भवती माताओं को इस योजना का लाभ मिला है और लगभग 19 हजार करोड़ रुपये सीधे उनके खातों तक पहुंचाए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने देशभर की माताओं-बहनों से संकोच छोड़कर स्वास्थ्य शिविरों में जाकर निःशुल्क जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा, इन शिविरों में कितनी भी महंगी जांच क्यों न हो, सब मुफ्त होंगी। आपके उत्तम स्वास्थ्य से ज्यादा मूल्यवान कोई सरकारी तिजोरी नहीं है। आयुष्मान कार्ड आपके लिए सुरक्षा कवच है। लाखों कैंप लगने वाले हैं और मैं अपने भाइयों से भी आग्रह करता हूं कि वे अपनी माताओं, बहनों और बेटियों का स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत यात्रा के लिए भारत की नारी शक्ति, युवा शक्ति, गरीब और किसान चार प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने लखपति दीदी, बैंक सखी, ड्रोन दीदी, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और मुद्रा योजना जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये योजनाएं गरीबों, महिलाओं और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इसमें हमारी नारी शक्ति सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर ध्यान देना, शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता—यही विकसित भारत की ठोस नींव है।

माता वैष्णो देवी की यात्रा फिर से शुरू, श्रद्धालुओं में उत्साह

एजेंसी (हि.स.)
कटरा

जयकारों के बीच जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा बुधवार को फिर से शुरू हो गई। हाल ही में आए विनाशकारी भूस्खलन के कारण 22 दिनों तक यात्रा स्थगित रही थी। इस भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी और 20 घायल हो गए थे।

माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने अनुकूल मौसम की स्थिति में आज सुबह यात्रा को फिर से खोलने की घोषणा की जिससे बड़ी संख्या में कटरा शहर में डेरा डाले

श्रद्धालुओं के चेहरे खिल उठे। कटरा शहर तीर्थयात्रियों का आधार शिविर है।

यात्रा के आरंभ स्थल बाणगंगा दर्शनी द्वार पर सैकड़ों तीर्थयात्री तड़के ही एकत्रित हो गए और तीर्थयात्रा शुरू होने पर अपार खुशी और राहत व्यक्त की।

श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम और मंदिर तक जाने वाले मार्ग के आवश्यक रखरखाव के कारण यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित किए जाने के बाद पहाड़ी पर स्थित मंदिर की ओर जाने वाले दोनों मार्गों से यात्रा सुबह 6 बजे शुरू हो गई। तीर्थयात्रियों को वैध पहचान पत्र साथ रखने, निर्धारित मार्गों का पालन करने और जमीनी कर्मचारियों के साथ सहयोग करने की सलाह दी गई है। पारदर्शिता और पता लगाने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिटी कार्ड आधारित ट्रैकिंग अनिवार्य है।

तीर्थस्थल बोर्ड ने अस्थायी तौर पर यात्रा के निलंबन के दौरान श्रद्धालुओं के धैर्य के लिए आभार व्यक्त किया। एक अधिकारी ने कहा कि यात्रा का फिर से शुरू होना हमारी सामूहिक आस्था और दृढ़ता की पुष्टि है और बोर्ड इस पवित्र तीर्थस्थल की पवित्रता, सुरक्षा और गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन पर देश-विदेश से बधाई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, विपक्षी नेताओं, वैश्विक हस्तियों, अभिनेताओं और खिलाड़ियों ने उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शुभकामनाएं दीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस अवसर पर आज से 2 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' शुरू किया है, जिसके तहत देशभर में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने असाधारण नेतृत्व से आपने देश में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की संस्कृति का संचार किया है। आज विश्व समुदाय भी आपके मार्गदर्शन में अपना विश्वास प्रकट कर रहा है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि आप सदा स्वस्थ और सानंद रहें। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने लिखा, आपके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक पटल पर अपनी छाप छोड़ रहा है। आपको दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं। गृहमंत्री अमित शाह ने उनकी उपलब्धियों का वीडियो साझा करते हुए लिखा, देश के लिए त्याग,

तपस्या और सर्वस्व समर्पण का नाम है नरेन्द्र मोदी। उनका व्यक्तित्व राष्ट्रहित को समर्पित ध्येयनिष्ठ नेतृत्वकर्ता का है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पुरानी यादें साझा करते हुए कहा कि झांसी में उनके भाषण में मैंने भविष्य के नेतृत्व की चमक देखी थी। अनुशासन, समर्पण और साहस ने उन्हें भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला नेता बनाया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आपके नेतृत्व में देश से आतंक और भ्रष्टाचार समाप्त हो, भारत आत्मनिर्भर बने और विश्वगुरु का स्थान प्राप्त करे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रत्येक भारतीय में यह विश्वास जगाया है कि हम विश्व में किसी से कम नहीं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने पत्र में लिखा, मैं प्रधानमंत्री को उनके 75वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देता हूं।

मुख्य विपक्षी दल के नेता घुसपैठियों के दम पर चुनाव जीतना चाहते हैं : अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकालने वाले राहुल गांधी, घुसपैठियों के दम पर चुनाव जीतान चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार मतदाता सूची को शुद्ध करने और घुसपैठियों को हटाने की प्रक्रिया का पूरा समर्थन करती है।

अमित शाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर ह्यसेवा पखवाड़ेह्ल की शुरूआत के तहत दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दिल्ली सरकार की लगभग 1723 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में अमित शाह ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों को भारत की जनता पर भरोसा नहीं है और वे ह्यघुसपैठियोंह्ल के आधार पर ही चुनाव जीतना चाहते हैं। शाह ने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए जनता से अपील की कि वे ह्यघुसपैठिया बचाओ यात्राह्ल के असली मकसद को पहचानें। उन्होंने कहा, राहुल गांधी अभी-अभी एक घुसपैठिया बचाओ यात्रा लेकर निकाल रहे हैं। मुझे दिल्ली वाले बताएं, आपकी मतदाता सूची से घुसपैठियों को हटाया जाना चाहिए या नहीं हटाना चाहिए? ये किसको बचाने निकले हैं? कांग्रेस पार्टी घुसपैठिया बचाओ यात्रा लेकर निकली है। मैं आज इस मंच से देश की जनता को ये बताने आया हूं कि इनको पहचान लीजिए। वो चाहते हैं कि घुसपैठिये हमारी मतदाता सूची में बने रहें क्योंकि उन्हें भारत के लोगों पर भरोसा नहीं है। वे इन 'घुसपैठियों' के आधार पर चुनाव जीतना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से घुसपैठियों को हटाना आवश्यक है।

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। इसके साथ ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण और करतारपुर साहिब कॉरिडोर जैसी लंबित परियोजनाओं को साकार किया गया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना भी मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि रही है। शाह ने कहा कि मोदी जी ने 24 वर्षों के

सार्वजनिक जीवन में कभी छुट्टी नहीं ली और लगातार देश की सेवा में जुटे रहे। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को देशभर में सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने की परंपरा पिछले 11 वर्षों से चली आ रही है। 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक यह पखवाड़ा चलता है, जिसके दौरान ग्राम पंचायतें, जिला पंचायतें, राज्य सरकारें और केन्द्र सरकार के विभिन्न विभाग गरीबों के कल्याण और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं की शुरूआत करते हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में भी आज से सेवा पखवाड़े की शुरूआत की गई है और 17 जनकल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ हुआ है। शाह ने कहा कि सेवा पखवाड़े का मकसद केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी है।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में 60 करोड़ गरीबों को सुविधाएं दीं और 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा, 25 करोड़ लोगों को गरीबी से ऊपर लाना और 60 करोड़ लोगों को प्राथमिक सुविधाएं देना, यह केवल एक सरकार का काम नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का हर प्रयास गरीबों और वंचितों के कल्याण की दिशा में है। शाह ने युवाओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री मोदी के जीवन से प्रेरणा लें और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ें। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी दिल्ली के साथ भेदभाव नहीं किया। राजधानी में चाहे किसी भी पार्टी की सरकार रही हो, मोदी जी ने दिल्ली को हमेशा उसकी अपेक्षा से ज्यादा ही दिया है। पूर्ववर्ती सरकारों ने दिल्ली को वह सुविधा नहीं दी जिसकी उसे आवश्यकता थी। यहां तक कि 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा की योजना को भी पिछली सरकार ने लागू नहीं किया।

उन्होंने कहा कि मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को अपना परिवार माना और अपना पूरा जीवन देश के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के प्रयासों से भारत विश्व की 11वीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2027 तक तीसरे स्थान पर पहुंचने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धियां दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ भाव से कार्य करने पर ही संभव हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर यह संकल्प रखा है कि 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाना है।

इस अवसर पर शाह ने नरेला-बवाना वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और ओखला प्लांट से बिजली उत्पादन की योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इनसे प्रतिदिन पांच हजार टन कचरे से बिजली बनेगी, जिससे सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा और ग्रीन एनर्जी का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आम आदमी के उपयोग की 395 वस्तुओं पर कर को शून्य या पांच प्रतिशत कर दिया है। पहले इन वस्तुओं पर 28 और 18 प्रतिशत तक जीएसटी लगता था।

हिमाचल प्रदेश में 21 सितम्बर से खुलेगा मौसम 517 सड़कें बंद, केंद्र ने जारी किए 198.88 करोड़

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में लंबे समय से जारी मॉनसूनी बारिश से अब राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 21 सितम्बर से शिमला सहित कई जिलों में धूप खिलनी शुरू हो जाएगी और राज्य के मध्यवर्ती व पहाड़ी इलाकों में मौसम साफ रहेगा। फिलहाल पिछले दिनों हुई भारी बारिश और भूस्खलन से प्रदेश के कई स्थानों पर जनजीवन अभी भी प्रभावित है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार बुधवार शाम तक 2 नेशनल हाइवे और 517 सड़कें बंद रहीं, जिनमें अकेले मंडी जिले की 229 सड़कें शामिल हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने आपदा राहत के लिए हिमाचल प्रदेश को बड़ी मदद दी है। वित्त मंत्रालय ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) की दूसरी किस्त के रूप में हिमाचल को 198.88 करोड़ रुपये जारी किए हैं, ताकि राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाई जा सके।

पिछले 24 घंटों में बिलासपुर, बंगाणा और कसौली में 40-40 मिमी, नैना देवी में 30 मिमी, जबकि मंडी और पालमपुर में 20-20 मिमी बारिश दर्ज की गई। हालांकि मौसम विभाग ने 19 और 20 सितम्बर को मैदानी व मध्यवर्ती इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान जताया है, लेकिन 21 से 23 सितम्बर तक अधिकांश इलाकों में धूप खिलने की संभावना है। इस बार के मॉनसून ने प्रदेश को भारी नुकसान पहुंचाया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अब तक 419 लोगों की मौत हुई है, 479 घायल हुए हैं और 45 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा 66 मौतें मंडी जिले में दर्ज की गई हैं। कांगड़ा में 57, चंबा में 50, शिमला में 47, कुल्लू में 44, सोलन में 32, किन्नौर में 30, उना में 27, सिरमौर में 21, बिलासपुर में 20, हमीरपुर में 16 और लाहौल-स्पीति में नौ लोगों की मौत हुई है।

मॉनसून सीजन में 1521 मकान पूरी तरह ढह गए और 6789 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। मवेशियों और पोल्ट्री में भी भारी हानि हुई है। सरकारी आकलन के अनुसार हिमाचल को अब तक 4593 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है, जिसमें लोक निर्माण विभाग को सबसे ज्यादा 2803 करोड़ का नुकसान हुआ है। जलशक्ति विभाग को 1413 करोड़ और ऊर्जा विभाग को 1394 करोड़ की क्षति पहुंची है। राज्य में अब तक 145 भूस्खलन, 98 फ्लैश फ्लड और 46 बादल फटने की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं।

हिमाचल के इतिहास में नहीं मिली केंद्र से इतनी मदद, राजनीति छोड़े सरकार : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

जयराम ठाकुर ने बुधवार को सुंदरनगर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार को निम्न स्तर की राजनीति से बाज जाना चाहिए। सही है कि हिमाचल प्रदेश को प्रधानमंत्री द्वारा लगातार मदद की जारही है। नरेंद्र मोदी आपदा के समय हिमाचल आने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। 1500 करोड़ की तत्काल पैकेज दिया। उसके एक दिन बाद एनडीआरएफ और एफडीआरएफ का 205 करोड रुपए एडवांस के तौर पर प्रदेश को मिला।

उन्होने कहा कि सात केंद्रीय मंत्री हिमाचल प्रदेश में दौरा कर रहे हैं। नेशनल हाईवे से मलबा हटाकर सड़कें दुरुस्त करने के लिए 200 करोड़ से अधिक की धनराशि तत्काल उपलब्ध करवा दी गई है। मानसून के लिए एनडीआरएफ और एफडीआरएफ के तहत मिलने वाला आर्थिक सहयोग भी हिमाचल प्रदेश को मिल चुका है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि केंद्र द्वारा हिमाचल का भरपूर सहयोग किया जा रहा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि यह सारा पैसा कहां जा रहा है? 2023 की आपदा के बाद हालात हालात जस के तस हैं। जो सड़के जहां से टूटी थी वहीं टूटी हुई पड़ी हैं। जो मलबा जहां पड़ा था वहीं पड़ा हुआ है। खतरनाक रास्ते हो, सड़कों के गिरे हुए डंगे, या नदियों और खड्डों से नुकसान हुए इंफ्रास्ट्रक्चर। सब के सब वैसे के वैसे पड़े हैं। आपदा राहत के नाम पर 3 साल में जो 5500 हजार करोड़ से अधिक की धनराशि हिमाचल प्रदेश को मिली है वह कहां गई, किस पर खर्च हुई, सरकार के पास इस बात का जवाब तक नहीं है कि आपदा प्रभावितों को देने के लिए केंद्र से आया पैसा गया कहां।

जयराम ठाकुर ने कहा कि एरिया स्पेसिफिक बजट का अर्थ है कि जिन जगहों पर जिन परियोजनाओं को नुकसान हुआ है उन्हें परियोजनाओं पर केंद्र द्वारा भेजा गया पैसा खर्च हो। कल धर्मपुर में जो त्रासदी आई उससे एक व्यक्ति की जान भी गई और 200 से ज्यादा दुकानों को नुकसान पहुंचाहै। ऐसी स्थिति में जब एरिया स्पेसिफिक फंड आएगा तो उन्हीं प्रभावितों के ऊपर वह पैसा खर्च होगा।

यह स्थिति चंबा और कुल्लू के लिए भी है। केंद्र सरकार द्वारा नुकसान के बदले आर्थिक सहायता की जाती है लेकिन सरकार उन पैसों का उपयोग अन्य कार्यों में करती है। इससे आपदा प्रभावित क्षेत्र और आपदा प्रभावित लोग रह जाते हैं।

सीएसआर के 3 लाख करोड़ रुपये आपदा पीड़ितों के पुनर्वास में लगें : शांता कुमार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शांता कुमार ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वह एक ठोस कानून बनाकर देश की प्राइवेट कंपनियों द्वारा सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) के अंतर्गत दी जाने वाली धनराशि को आपदा पीड़ितों के पुनर्वास में लगाए। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के अनुसार देश की प्राइवेट कंपनियों का सीएसआर फंड 3 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है, जिसका सही तरीके से उपयोग किया जाए तो हजारों परिवारों को फिर से बसाया जा सकता है। शांता कुमार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सितम्बर का आधा महीना बीत चुका है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में जल आपदा की स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है। हर रोज दिल दहला देने वाली खबरें आ रही हैं और आंखें नम कर देती हैं। उन्होंने कहा कि सबसे कठिन कार्य पीड़ितों को दोबारा बसाना है, लेकिन सरकारें इस दिशा में असमर्थ दिखाई दे रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारों का दिवालिया निकल चुका है और पीड़ितों को पर्याप्त सहायता नहीं मिल रही है। शांता कुमार ने बताया कि उन्होंने पहले भी प्रधानमंत्री और मंत्रियों को पत्र लिखकर सुझाव दिया था कि भारत सरकार के पास मौजूद 2 लाख करोड़ रुपये के लावारिस धन का उपयोग आपदा प्रबंधन में किया जाए, लेकिन सरकार ने उस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कंपनियों के लिए यह अनिवार्य किया है कि वे अपने कुल लाभ का 2 प्रतिशत समाज सेवा में लगाएं। इस कानून के तहत सरकारी कंपनियों का ही सीएसआर फंड लगभग 6 हजार करोड़ रुपये है, लेकिन यह धन भी पूरी तरह से समाज सेवा में खर्च नहीं हो रहा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने यह सुझाव दिया था कि लोकसभा की एक स्थायी समिति देश की सभी प्राइवेट कंपनियों को उनके सीएसआर फंड का उपयोग समाज सेवा में करने के लिए बाध्य करे। यदि सरकार कानून बनाकर इस धन को अपने अधीन ले ले और इसका उपयोग आपदा पीड़ितों के पुनर्वास में करे, तो यह क्रांतिकारी कदम होगा।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें महिलाएं : डॉ. सुनीता बंसल

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा इन दिनों स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों शाहपुर, देहरा और धर्मशाला में आयोजित हो रहे इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीम का भी सराहनीय योगदान है। विश्वविद्यालय की ओर से स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से अभी तक शाहपुर-देहरा में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जा चुका है।

इसी कड़ी में बुधवार को धौलाधार परिसर दो में पांचवें स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता बंसल और कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने शिरकत की। कुलपति की धर्मपत्नी डॉ. सुनीता बंसल ने विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के शिविरों का आयोजन होता रहना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सचेत रहें। समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य करवाएं। एक महिला को बहुत सारी भूमिकाएं निभानी होती हैं तो अगर उसका स्वास्थ्य ही ठीक नहीं होगा वो कैसे वह अपने आप को हर क्षेत्र में साबित कर पाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तनाव, असंतुलित खानपान और गतिहीन जीवनशैली से अनेक बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं, जिन्हें नियमित जांच और समय पर जागरूकता से रोका जा सकता है।

वहीं कुलपति प्रो. बंसल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश दिनरात उन्नति कर रहा है। निश्चित रूप से आने वाला समय में भारत विश्वगुरू बन रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही अपनी मोबाइल वैन लेने जा रहा है। जिससे कि विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए 15 गांवों के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधा मुहैया हो सके। शिविर में विशेष रूप से, रक्तचाप, मधुमेह की जांच, बॉडी मास इंडेक्स (इटक), हृदय संबंधी शुरूआती जांच, छाती का एक्स रे से टीबी की जांच आदि सेवाएं उपलब्ध करवाई गईं। शिविर के दौरान जिला स्वास्थ्य विभाग से आए अनुभवी चिकित्सकों, चिकित्सा कर्मी एवं विशेषज्ञों की टीमों ने जांच कार्यों का संचालन किया।

संक्षिप्त-समाचार

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल चमियाना में पहली बार फ्री फिबुला फ्लैप से जबड़े का सफल पुनर्निर्माण

शिमला। अटल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान चमियाणा, शिमला के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यहां पहली बार फ्री फिबुला फ्लैप तकनीक से एक मरीज का जबड़े का सफल पुनर्निर्माण किया गया। कांगड़ा जिले के थरोट गांव के 53 वर्षीय विक्रम सिंह को वर्ष 2016 में जबड़े का कैंसर हुआ था। उनका ऑपरेशन और रेडियोथेरेपी हुई थी। इसके बाद जबड़े की हड्डी का एक हिस्सा ऑस्टियोरेडियोनेक्रोसिस (हड्डी का क्षय) से प्रभावित हो गया था और एक वर्ष पहले निकालना पड़ा था। इसके बावजूद उन्हें लगातार मवाद आता रहा, मुंह खोलने में कठिनाई, भोजन करने में परेशानी और चेहरे के आकार में विकृति की समस्या बनी रही। प्लास्टिक सर्जरी विभाग की टीम ने करीब 9 घंटे के लंबे ऑपरेशन में मरीज की टांग की पतली हड्डी (फिबुला) का हिस्सा निकालकर माइक्रोवैस्कुलर तकनीक से उसे जबड़े का आकार दिया और जबड़े की जगह जोड़ दिया। इसमें गले की नसों और रक्त वाहिकाओं को फिबुला की नसों और रक्त वाहिकाओं से जोड़ा गया। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और मरीज स्वस्थ है। यह जटिल सर्जरी प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉ. नितिन कश्यप, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. निपुण शर्मा, डॉ. पुष्पिंदर सिंह, डेंटल सर्जरी से डॉ. रंगीला राम, एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. विक्रम टक्कर व डॉ. मनोज मैटान और आईसीयू से डॉ. रविकांत डोगरा की टीम ने मिलकर की। इस दौरान नर्सिंग स्टाफ रामेश्वरी कंवर, सर्वोच्च शक्ति, दामिनी, शिल्पा, पूजा और ओटीए दिनेश पाठक की टीम ने सहयोग दिया। संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुधीर ने बताया कि यह सर्जरी प्लास्टिक सर्जरी विभाग ही नहीं बल्कि पूरे एआईएमएसएस के लिए एक मील का पत्थर है। इससे अब उन मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी जिनका जबड़ा कैंसर, चोट या रेडियोथेरेपी के कारण प्रभावित होता है। अब प्रदेश के मरीजों को ऐसी जटिल सर्जरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

विश्वप्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग टेक ऑफ साइट बिलिंग में सफाई अभियान आयोजित

धर्मशाला। विश्वप्रसिद्ध बीड़ बिलिंग घाटी में बरसात के बाद पैराग्लाइडिंग आरम्भ होने के दृष्टिगत टेक ऑफ साइट बिलिंग में बुधवार को सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान लगभग 20 बैग प्लास्टिक, टेट्रापैक व अन्य कचरा एकत्रित किया गया।उपमंडलाधिकारी बैजनाथ एवं सहायक आयुक्त साडा बीड़ बिलिंग संकल्प गौतम ने बताया कि बीड़ बिलिंग विश्वस्तरीय पैराग्लाइडिंग स्थल होने के साथ-साथ पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण केंद्र है। यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक आते हैं, जिसके चलते साफ-सफाई बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह पहल पैराग्लाइडिंग सीजन के दृष्टिगत महत्वपूर्ण है, ताकि यहां आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके। इस सफाई अभियान में एन.जी.ओ. वेस्ट वारियर्स, स्थानीय युवाओं, पंचायत प्रतिनिधियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर एन.जी.ओ. वेस्ट वारियर्स के वरिष्ठ प्रबंधक अभिषेक भंगालिया, साडा पैराग्लाइडिंग के सुपरवाइजर रणविजय, मार्शल कुलदीप, विनोद, पंकज, राजेश, बलवीर, प्रदीप एवं दीपचंद उपस्थित रहे।

हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकास नगर में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकासनगर में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ बुधवार को किया गया। इस अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास और प्रभावी प्रस्तुति के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम जागृत करना और उन्हें अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करना था। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और वक्तृत्व कौशल से सभी को प्रभावित किया। कक्षा 8वीं से निवेदिता ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी, जबकि करुल द्वितीय और अखिलेश एवं उन्नति संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 9वीं से आरुषि, जानवी और अनिष्का ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया, पावनी को द्वितीय और रिजवान को तृतीय स्थान मिला। इसी तरह कक्षा 10वीं से अन्नयश्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, कीर्ति द्वितीय स्थान पर रही और अथर्व एवं शाद आलम संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे।प्रतियोगिता का संचालन मधुबाला, अथर्व और सहज ने बड़े ही आत्मीय और आकर्षक अंदाज में किया, जिससे पूरा वातावरण रोचक और ऊर्जावान बना रहा। निर्णायक मंडल में रिंकू और अंकिता ने निष्पक्ष निर्णय देते हुए विजेताओं का चयन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या इंजीनियर नैना लखनपाल ने विजयी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की मेहनत, आत्मविश्वास और भाषा के प्रति प्रेम की सराहना करते हुए कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति और पहचान की धरोहर है, जिसे नई पीढ़ी के सहयोग से और सशक्त बनाया जा सकता है।

डीसी कठुआ ने जिला पूंजीगत व्यय कार्यों की प्रगति पर समीक्षा बैठक की

कठुआ। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने जिला पूंजीगत व्यय बजट 2025-26 के अंतर्गत भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा हेतु निर्माण विभागों के अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित कुल 1788 कार्यों में से 1769 कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इसके अलावा 1764 कार्यों के लिए निविदाएँ आमंत्रित की जा चुकी हैं, जिनमें से 139 कार्यों को जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के लिए आवंटित किया जा चुका है। क्षेत्रवार प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी ने लंबित कार्यों के आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

भारतीय सेना ने रामबन में बनाया 150 फीट का दो मंजिला अतिरिक्त चौड़ा बेली ब्रिज

एजेंसी (हि.स.)
रामबन

हाल ही में हुई लगातार बारिश के कारण रियासी के रामबन क्षेत्र में करोल-मैत्रा मार्ग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बह गया। इसके बाद सेना की व्हाइट नाइट कोर के इंजीनियर सैनिकों ने रामबन के मेत्रा में 150 फीट का दो मंजिला अतिरिक्त चौड़ा बेली ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया है। एनएचएआई और नागरिक अधिकारियों के सहयोग से बनाए गए इस ब्रिज से रामबन में सड़क कनेक्टिविटी बहाल होगी।

व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि यह पुल आवश्यक आपूर्ति, आपातकालीन सेवाओं और स्थानीय यातायात के सुचारू आवागमन को सुनिश्चित करते हुए महत्वपूर्ण संपर्क लिंक को बहाल करेगा। नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर आवश्यक सत्यापन के बाद पुल को खोल दिया जाएगा।सेना ने पुल के निर्माण सहित दूरदराज के स्थानों में समय पर चिकित्सा, पशु चिकित्सा और खाद्य आपूर्ति प्रदान की है। इस दौरान 5000 से भी ज्यादा लोगों को राहत प्रदान की गई और आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए दूरदराज के गांवों में कई चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। दरअसल, रामबन जिले में हाल ही में लगातार बारिश के कारण रामबन जिले को मुख्य भूमि से जोड़ने वाली करोल-मैत्रा रोड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बह गया था। इससे दैनिक जीवन बाधित हो गया और स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से कनेक्टिविटी की तत्काल बहाली का अनुरोध किया। इस पर नागरिक प्रशासन ने भारतीय सेना से सहायता का अनुरोध किया।

इसके बाद व्हाइट नाइट इंजीनियर्स की एक टीम तैनात की गई और उन्होंने 150 फुट ट्रिपल पैनल डबल स्टोरी एक्स्ट्रा वाइड रीइन्फोर्स्ड बेली ब्रिज के लॉन्च को अंजाम दिया, जिसे भारी यातायात वहन क्षमता सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया था। बीआरओ, एनएचएआई, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग रामबन और अन्य नागरिक एजेंसियों ने कार्य के शीघ्र निष्पादन में सहायता की। इसके अलावा परियोजना के तहत मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान किश्तवाड़, डोडा, रामबन, उधमपुर, रियासी, अखनूर, राजौरी और पुंछ जिलों को कवर करते हुए क्षेत्र में जारी रहा, जिससे मूसलाधार बारिश, भूस्खलन और बाढ़ से प्रभावित लोगों को समय पर राहत प्रदान की गई।

हिमाचल के तकनीकी संस्थानों में शुरू होगी डिजास्टर मैनेजमेंट की पढ़ाई : राजेश धमार्णी

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धमार्णी ने कहा कि प्रदेश के आईटीआई, बहुतकनीकी, इंजीनियरिंग और फामेर्सी संस्थानों के पाठ्यक्रमों में एक नया विषय जोड़ा जाएगा, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन में तकनीक के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर स्पेस टेक्नोलॉजी तक का इस्तेमाल करते हुए ड्रोन सर्विलांस, रेस्क्यू, रिस्क असेसमेंट और मिटीगेशन में तकनीकी टूल्स के प्रयोग का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को मिलेगा। मंत्री ने बताया कि अगले विश्वकर्मा दिवस पर विद्यार्थी इस विषय से संबंधित मॉडल प्रस्तुत करेंगे। इससे उन्हें नए स्टार्टअप और नवाचारों की ओर बढ़ने का अवसर मिलेगा। फामेर्सी के विद्यार्थी भी सीखेंगे कि आपदा की स्थिति में, जब कोई क्षेत्र कट जाता है, तो चिकित्सीय सहायता किस प्रकार पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस पहल से हर गांव और कस्बे में प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होगा, जिससे आपदा प्रबंधन में रिस्पांस टाइम कम होगा और राहत कार्यों की सटीकता बढ़ेगी। उन्होंने इसे हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में एक बड़ा निर्णय बताया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री को तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 16 लाख रुपए का तथा तकनीकी शिक्षा के आईएमसी व एसडब्ल्यूएफ संघ द्वारा 31,000 रुपए का चैक भी भेंट किया गया।

सहायता

धर्मपुर डिपो की 28 अन्य बसें अभी अलग-अलग स्थानों पर फंसी

धर्मपुर में आपदा प्रभावितों को 13.60 लाख रुपए की फौरी राहत वितरित

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के धर्मपुर बस स्टैंड के साथ लगती सोन खड्ड में हाल ही में आए फ्लैश फ्लड से प्रभावित लोगों को प्रदेश सरकार की ओर से प्रशासन द्वारा अब तक लगभग 13 लाख 60 हजार रुपये की फौरी राहत राशि वितरित की जा चुकी है। एसडीएम धर्मपुर जोगिंद्र पटियाल ने आज यहां बताया कि इस आपदा में प्रभावित 99 दुकानदारों, 15 मकान मालिकों और 22 किरायेदारों को यह राहत राशि दी गई है।

उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से जेसीबी मशीनों और विभागीय उपकरणों के माध्यम से सड़कों की बहाली और बस स्टैंड धर्मपुर पर भरी सिल्ट को हटाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के 44 जवान और स्थानीय पुलिस मिलकर ड्रोन कैमरों की मदद से आपदा में लापता हुए लोगों की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह राहत और बहाली कार्यों में जुटा हुआ है और जल्द ही धर्मपुर में बस सेवाएं सामान्य हो जाएंगी।

हिमाचल पथ परिवहन निगम के मंडलीय प्रबंधक मंडी उत्तम सिंह ने बताया कि हाल ही में धर्मपुर में आई फ्लैश फ्लड से एचआरटीसी बस स्टैंड को भारी नुकसान पहुंचा है। सोन खड्ड में आए उफान के चलते अब तक 20 बसें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बस स्टैंड की ग्राउंड फ्लोर और वर्कशॉप क्षेत्र में पानी घुसने से मोटी परत में सिल्ट भर गई है, जिसे निकालने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। क्षतिग्रस्त बसों को रिकवर करने के लिए एचआरटीसी डिवीजनल डिपो हमीरपुर और धर्मशाला से मैकेनिकल टीमें धर्मपुर भेजी गई हैं, जो आज बुधवार शाम तक पहुंच जाएंगी। फिलहाल सरकाघाट्झधर्मपुर मार्ग पर दो बसें सवारियों की सुविधा के लिए चलाई जा चुकी हैं।

उन्होंने बताया कि धर्मपुर डिपो की 28 अन्य बसें अभी अलग-अलग स्थानों पर फंसी हुई हैं, जिन्हें सड़क मार्ग बहाल होने पर क्रमवार चलाया जाएगा। स्थानीय यात्रियों को असुविधा न हो इसके लिए नजदीकी डिपो से भी बसें मंगवाई गई हैं ताकि दूरदराज क्षेत्रों के लिए अस्थायी सेवाएं जारी रखी जा सकें। उन्होंने बताया कि डिपो की लगभग 33 लाख रुपये की इन्वेंट्री क्षतिग्रस्त हो गई है। शेष सामग्री की स्थिति की जांच जारी है और जो वस्तुएं उपयोग योग्य होंगी, उन्हें कार्य में लिया जाएगा। इसके अलावा बसों में ईंधन आपूर्ति के लिए स्थापित 20 हजार लीटर क्षमता वाले पंप में भी गाद घुस गई है। इसमें करीब 15 हजार लीटर ईंधन मौजूद था। इस संबंध में इंडियन ऑयल से संपर्क कर सफाई और ईंधन की रिकवरी का कार्य शुरू किया जा रहा है।

गत 15 और 16 सितम्बर की रात को हुई मूसलाधार बारिश ने धर्मपुर विद्युत उपमंडल की अधोसंरचना को बुरी तरह प्रभावित किया है। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार बारिश से 33 केवी और 11 केवी एचटी लाइनों के साथ-साथ एलटी लाइनें, डीटीआर, स्टोर तथा 33/11 केवी उप-स्टेशन को भारी क्षति पहुंची है। रिपोर्ट के मुताबिक 2 किलोमीटर 33 केवी एचटी लाइन और 6 किलोमीटर 11 केवी एचटी लाइन क्षतिग्रस्त हुई हैं। वहीं 12 ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह या आंशिक रूप से खराब हो गए, जिससे अकेले इस मद में करीब 41.36 लाख का नुकसान हुआ। कुल मिलाकर 9.5 किलोमीटर एलटी लाइन और 110 पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं।

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ प्रदर्शनी में स्वास्थ्य जागरूकता का अनोखा संगम

केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

संवाददाता
चंडीगढ़

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ हुआ। रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की गरिमामयी उपस्थिति में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे पी नड्डा ने प्रदर्शनी का रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा, सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे पी नड्डा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा, जागरूकता और बेहतर देखभाल सुनिश्चित करना है। अभियान की अवधि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक रखी गई है। प्रदर्शनी में स्वस्थ माँ, सुरक्षित शिशु मजबूत समाज की नींवह्व जैसे प्रेरक संदेशों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं की झलक दिखाई गई। अवलोकन के बीच मुख्य अतिथि श्री जे पी नड्डा और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की जानकारी ली।

निक्षय पोषण योजना पर आधारित पैनलों के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी गई कि टीबी रोगियों को उपचार के दौरान प्रतिमाह 1000 रुपए पोषण सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। इसके लिए टीबी आरोग्य साथी ऐप और उमंग ऐप के जरिए सत्यापन और ट्रैकिंग की सुविधा भी समझाई गई। स्टॉलों पर कैंसर स्क्रीनिंग, एनीमिया नियंत्रण, थैलेसीमिया जांच, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और क्षय रोग से संबंधित जानकारी विस्तार से दी गई। साथ ही ह्लआप से रोशन है पूरे परिवार की खुशी झ्र टीबी उपचार लें और अपनों का साथ निभाएंह्व जैसे संदेशों ने लोगों को आकर्षित किया। प्रदर्शनी के दौरान पोषण अभियान को लेकर पोस्टर लगाए गए, जिनमें बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के लिए संतुलित आहार, स्तनपान के महत्व और एनीमिया नियंत्रण जैसे बिंदुओं को शामिल किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों और योजनाओं से जुड़े जानकारीपूर्ण पोस्टर, बैनर और स्टॉल लगाए गए, जिनमें महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और जागरूकता से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई।

अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी पर भी जोर दिया गया। 17 सितंबर को विशाल स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। अभियान के तहत 17 से 2 अक्टूबर तक विशेष टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को शामिल किया जाएगा। सभी का टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए रूटीन इम्यूनाइजेशन पर भी जोर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को बनाया चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : सुमन सैनी

अनिल गोयल
लाडवा

हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था पर पहुंचा दिया और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश ऊंचाइयों को छू रहा है। नरेंद्र मोदी के विजन से ही देश और प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनी। उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा के लोगों ने चुनाव के दौरान नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाने में पूर्ण सहयोग दिया। आज मुख्यमंत्री का परिवार वैसे ही हल्का वासियों के लिए हमेशा तत्पर है और आगे भी रहेगा।

हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी बुधवार को गांव संघोर में आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में बोल रहे थे। उपाध्यक्ष सुमन सैनी लाडवा विधानसभा में सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया और खुद हाथों में झाड़ू लेकर गांव संघोर के ग्रामीणों के साथ गांव की सभी गलियों की सफाई की।

उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा चलाया जाएगा इस दौरान सभी नागरिकों ने जरूरतमंदों की सेवा करनी है अपने घर मोहल्ले गांव सहित पूरे विधानसभा को सफाई करके स्वच्छता में नंबर वन लाना है यह अभियान हर नागरिक तक पहुंचना चाहिए नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनकर देश के लिए जो कार्य किए हैं हमें भी उनके नक्शे कदमों पर चलते हुए सेवा भाव को इस समर्पण के साथ करना है।

उन्होंने कहा कि यह हम सब का सौभाग्य है कि देश को प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जैसा नेता मिला है, जो पूरे विश्व में हमारे देश का मान सम्मान बढ़ा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की बधाई देते हुए भगवान से अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, अध्यक्ष धर्मवीर डागर, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, राजकुमार बेदी, सतबीर मंगोली, राकेश सरपंच, किशोरी लाल, गुरनाम सिंह, चंद्रकांता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विशेष कार्यक्रम : पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को समर्पित विशेष अभियान

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विशेष कार्यक्रम पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ह्लएक पेड़ मां के नामह्व अभियान को गांव-गांव और शहर-शहर में साकार रूप देना है।

वन मंत्री ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा वन विभाग ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष कार्य योजना तैयार की है। इस योजना के तहत ह्यएक पेड़ हजारों सांसों का सहारा, आज लगाओ कल बचाओह्व नारे को व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जाएगा। इसी कड़ी में प्रदेश के 75 स्थानों पर नमो वन अथवा पार्क स्थापित किए जाएंगे। ये

○ 75 स्थानों पर स्थापित होंगे नमो वन और चलेगा स्वच्छता का संदेश

पार्क प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर हरियाणा की जनता की ओर से एक अनूठा उपहार होंगे। इन वनों और पार्कों के माध्यम से न केवल हरियाली बढ़ेगी बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता संदेश को आत्मसात करते हुए ह्यएक दिन, एक घंटा, एक साथह्ल श्रमदान अभियान चलाया जाएगा। इस दिन वन विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी न केवल अपने कार्यालयों बल्कि विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भी श्रमदान करेंगे।

रोहतक में नमो वन का केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया उद्घाटन

संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर रोहतक शहर के सेक्टर- 2 में मियावाकी पद्धति से तैयार किए जा रहे नमो वन का उद्घाटन पौधरोपण के साथ किया। नमो वन के शुभारंभ अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ौली की गरिमामयी उपस्थिति रही। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा ने मुख्यमंत्री के साथ मिलकर रोहतक वासियों संग नमो वन में करीब 10 हजार पौधे रोपित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। नमो वन में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं के साथ बच्चों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। पौधरोपण करते हुए पर्यावरण प्रेमियों से

केंद्रीय मंत्री श्री जे पी नड्डा ने सीधा संवाद किया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छ पर्यावरण में स्वस्थ जीवन की विचारधारा के साथ देश को विकसित भारत की ओर ले जाने में अग्रसर हैं, ऐसे में हम सभी का ये दायित्व बनता है कि उनकी इस सकारात्मक सोच को सार्थक करने में सभी अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने महिलाओं को प्रेरित किया कि वे घर की जिम्मेदारी जिस प्रकार पूरी लगन से निभा रही हैं ठीक उसी अनुरूप वे स्वयं तथा अपने परिजनों को भी पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनाने में आगे आएं और अधिक से अधिक पौधे रोपित करते हुए पर्यावरण प्रहरी बनें। हजारों की संख्या में नमो वन में पौधरोपण करने आई महिलाओं ने केंद्रीय मंत्री श्री जे पी नड्डा व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को आश्वस्त किया कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत बनाने की दिशा में जो कदम बढ़ाए जा रहे हैं उसमें रोहतक की महिलाओं सहित उनके परिजनों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री व मुख्यमंत्री ने नमो वन में पौधे रोपित करने के लिए पहुंचे लोगों का, विशेषकर महिलाओं व बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि संतुलित पर्यावरण बनाते हुए हम स्वस्थ जीवन की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। नमो वन के उद्घाटन अवसर पर राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, पूर्व मंत्री श्री मनीष ग्रोवर, नगर निगम के मेयर राम अवतार बाल्मीकि, सूचना, जनसंपर्क विभाग के महानिदेशक श्री के.मकरंद पांडुरंग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक श्री पंकज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

द कोणार्क एकेडमी लाडवा में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप का हुआ भव्य शुभारंभ

संवाददाता
लाडवा

द कोणार्क एकेडमी लाडवा में तीन दिवसीय 58 वीं राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ किया गया। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती अंजनी सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन सैनी, जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक, विद्यालय प्रमुख एस. एस. शर्मा, ए. ई. ओ. जसबीर सिंह, ए. ई. ई. ओ. हरीश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती नीलम सैनी, शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक, शारीरिक शिक्षा शिक्षक तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती अंजनी सिंह ने माननीया मुख्य अतिथि सुमन सैनी को शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया तथा गणमान्य अतिथिगण को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान

किया गया। इसके पश्चात गणमान्य अतिथिगण ने गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिता का शानदार शुभारंभ किया। सभी प्रतिभागियों में अत्यधिक उत्साह देखा गया। अपने संबोधन में माननीया मुख्य अतिथि सुमन सैनी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि द कोणार्क एकेडमी इस क्षेत्र में विशेष ख्याति अर्जित करने वाला विद्यालय है। जो कि न केवल शिक्षा बल्कि खेलों व संस्कृति के प्रचार - प्रसार तथा विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने बताया कि खेल न केवल शारीरिक विकास में सहायक हैं बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। कार्यक्रम में पौधारोपण का संदेश दिया गया। जिससे विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि खेलों में भाग लेने से सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसी सुविधाओं का लाभ मिलता है। जिससे विद्यार्थियों को अपने भविष्य के लिए प्रेरणा मिलती है। समापन सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देकर किया गया। विद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद किया।

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा में धूमधाम से हुआ ब्लॉक स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव 2025 का आयोजन

संवाददाता
लाडवा

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा में ब्लॉक स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव 2025 का भव्य आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी नीलम सैनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य श्री बलबीर ने खंड शिक्षा अधिकारी का पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में ब्लॉक स्तर पर सीआरसी स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों ने मंच पर अपनी-अपनी प्रतिभाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया। कक्षा 5 से 8 तथा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने समूह नृत्य, एकल नृत्य, रागनी और स्किट जैसी रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन जीत लिया। बच्चों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ मंच पर अपनी कला का परिचय दिया। दर्शक दीर्घा में बैठे अभिभावकों और शिक्षकों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट से बच्चों का हौसला बढ़ाया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा गांव और ब्लॉक स्तर पर भी किसी से कम नहीं है। मंच पर उनकी रचनात्मकता और समर्पण ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती नीलम सैनी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर मेहनत करें और अपने माता-पिता व गुरुजनों का नाम रोशन करें। कार्यक्रम का मंच संचालन पीजीटी प्रवीण कुमारी और पीजीटीन रोशन कम्बोज ने बड़े ही सटीक और प्रभावशाली अंदाज में किया। उनके संचालन ने पूरे कार्यक्रम में ऊर्जा और उत्साह बनाए रखा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राजन धीमान, राजकुमार, शिशपाल, महावीर, स्वाति पुनिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक उत्सव विद्यार्थियों को अपनी छिपी प्रतिभाओं को मंच पर लाने का सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।

जब नारी स्वस्थ होती है तो परिवार, समाज और राष्ट्र होता है सशक्त : सुमन सैनी

संवाददाता
लाडवा

हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि हम सब मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास₹ के मंत्र के साथ आगे बढ़ें और लाडवा से पूरे देश को यह संदेश दें कि-₹स्वस्थ नारी सशक्त परिवार और श्रम का सम्मान ही विकसित भारत की सच्ची नींव है।₹ उपाध्यक्ष सुमन सैनी बुधवार को रामकुंडी में आयोजित स्वस्थ नारी सशक्त परिवार कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों ने हनुमान चालीसा का उच्चारण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे स्वास्थ्य व दीघार्यु की कामना की।

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए शिविर का निरीक्षण किया। एसएमओ डॉ. कृष्ण कांत ने बताया कि शिविर में सबसे पहले हेल्प डेस्क लगाया गया है। इसके बाद रजिस्ट्रेशन और व्यक्ति के स्वास्थ्य अनुसार बीपी, शुगर, एचबी के टेस्ट किए जा रहे हैं। हड्डी, डेंटल और स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा जांच की जा रही है। जरूरतमंद को दवाई भी वितरित की गई। इसके अलावा आयुष्मान मित्र का भी स्टॉल लगाया गया।

○ विश्वकर्मा भगवान के जीवन संदेश परिश्रम और कौशल ही है सच्ची पूंजी

○ उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए शिविर का निरीक्षण

○ हनुमान चालीसा का उच्चारण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे स्वास्थ्य व दीघार्यु की करी कामना

उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि आज विश्वकर्मा दिवस और हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री, भारत के गौरव, विकास और राष्ट्र-निर्माण के प्रतीक नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन है। विश्वकर्मा भगवान, जिन्हें दिव्य शिल्पकार और सृष्टि के महान अभियंता के रूप में जाना जाता है, सृजनशीलता, कौशल और परिश्रम के प्रतीक हैं। उनका जीवन संदेश है कि परिश्रम और कौशल ही सच्ची पूंजी है। आज के दिन हम उन लाखों-करोड़ों श्रमिकों, कारीगरों, अभियंताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को नमन करते हैं, जो अपने श्रम और कौशल से राष्ट्र की नींव मजबूत करते हैं। उनके बिना किसी उद्योग, किसी विकास परियोजना या किसी निर्माण की कल्पना अधूरी है।

उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि आज हम 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ भी कर रहे हैं। इसका संदेश अत्यंत स्पष्ट है, जब नारी स्वस्थ होती है तो परिवार सशक्त होता है और जब परिवार सशक्त होता है तो समाज और राष्ट्र सशक्त होता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने सदैव महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को अपनी प्राथमिकता में रखा है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कौशल विकास, शिक्षा तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर महिला गरिमा, स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ जीवन व्यतीत कर सके।

उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि परिवार की वास्तविक शक्ति उसकी महिलाओं के स्वास्थ्य में निहित होती है। एक स्वस्थ मां न केवल अपने बच्चों को पोषित करती है, बल्कि पूरे समाज का भविष्य गढ़ती है। एक आत्मनिर्भर नारी आर्थिक विकास में, सामाजिक स्थिरता में और सांस्कृतिक समृद्धि में योगदान करती है। इसलिए यह अभियान केवल महिलाओं के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हरियाणा को मजबूत बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तीव्र प्रगति की राह पर है। आधुनिक आधारभूत ढांचे से लेकर डिजिटल नवाचार तक, किसान कल्याण से लेकर औद्योगिक विकास तक, खेलों की उपलब्धियों से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक हम संकल्प और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन सच्चा विकास तभी संभव है जब हम हर श्रमिक, हर कारीगर और हर नारी को सशक्त बनाएं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनाने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब हर श्रमिक का हाथ मजबूत होगा, हर महिला का स्वास्थ्य सुरक्षित होगा और हर परिवार सशक्त होगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, नगर पालिका चेयरपर्सन साक्षी खुराना, एसएमओ डॉ. कृष्ण कांत, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह दबखेड़ा, भाजपा नेता नायब सिंह पटाक माजरा, डॉ. गणेश दत्त, पूनम सैनी, मोनिका गुप्ता, सन्नी कालड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

46वें स्थापना दिवस के दो दिवसीय समारोह का हवन के साथ समापन हुआ

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा-लाडवा का परिसर आध्यात्मिकता, भक्ति और उत्सव की ऊर्जा से सराबोर हो गया। आचार्य नरेश कौशिक और सहयोगियों द्वारा स्कूल के 46वें स्थापना दिवस और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक पवित्र हवन किया गया। तहसीलदार-एचसीएस नवम धानिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और स्कूल प्रधान पवन गर्ग ने समारोह की अध्यक्षता की। स्कूल सचिव रविंद्र बंसल, तेजपाल मथाना, राकेश गोयल, हरप्रीत चीमा, आईजीएन कॉलेज के प्रधानाचार्य कुशल पाल, प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा, एसजीओपीजीएमपीएस सूजरा के प्रधानाचार्य सुरेश सैनी, सुभाष सहगल, राजकुमार सैनी, शमशेर सिंह बन, जगमाल सिंह और स्कूल स्टाफ ने भी हवन में भाग लिया। मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एक पवित्र 'त्रिवेणी' भी रोपित की गई। आचार्य नरेश कौशिक ने विशेष रूप से विद्यालय की प्रगति और भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने पवन गर्ग को अपना आशीर्वाद प्रदान किया और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। पवन गर्ग ने कहा कि विद्यालय की परिकल्पना सर्वप्रथम स्वर्गीय ओम प्रकाश गर्ग - तत्कालीन एमएलसी, थानेसर विधायक - द्वारा की गई थी और इसकी स्थापना 17 सितंबर 1980 को तत्कालीन पेट्रोलियम एवं रसायन राज्य मंत्री चौधरी दलबीर सिंह द्वारा धनौरा के लोगों द्वारा दान की गई भूमि पर की गई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। विद्यालय के सचिव रविन्द्र बंसल ने भी प्रधानमंत्री और पवन गर्ग को उनके जन्मदिन की बधाई दी और ईश्वर से उनके दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की। प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने मुख्य अतिथि, विद्यालय के प्रधान, सचिव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के प्रति उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया और उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

नगर निगमों के आयुक्त महानगरीय विकास प्राधिकरणों के पदेन अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी नामित

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नगर निगम गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, पंचकूला और हिसार के आयुक्तों को संबंधित महानगरीय विकास प्राधिकरण का पदेन अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी नामित किया है। इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। नगर निगम मानेसर के आयुक्त को गुरुग्राम महानगरीय विकास प्राधिकरण का पदेन अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी-2 नामित किया गया है। महानगरीय विकास प्राधिकरणों में वर्तमान में कार्यरत अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अपने पद पर यथावत कार्यरत रहेंगे।

जय भारत कला मंच ने अशोक वाटिका का किया सफल एवं भव्य मंचन

लाड़वा। जय भारत कला मंच द्वारा गत रात्रि आयोजित रामलीला के अंतर्गत ह्लअशोक वाटिकाह्व का मंचन दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में श्री वामन द्वादशी मेला समिति के सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। जिनमें मुनीश सिंघल, परवेज व्यास, दिनेश सिंगला, सुनील गोयल, संजीव शर्मा, रजत बंसल, सुनील भट्ट सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। मुख्य अतिथियों ने प्रभु श्री राम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि ह्लराम भारत का आधार हैं और उनके बिना मानवता की कल्पना असंभव है। मंचन में हनुमान जी की भूमिका में विजय वधावन ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। संपाती के किरदार में राहुल अरोड़ा ने प्रभावशाली अभिनय किया। माता सीता की भूमिका में संकेत ने रावण के सामने अपनी दमदार प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसकी खूब चर्चा रही। रावण के पुत्र अक्षय के रूप में भरत शर्मा और मेघनाथ के रूप में राजीव अंग्रीष ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। अशोक वाटिकाह्व का दृश्य अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें दर्शकों को केले और सेब का प्रसाद वितरित किया गया। लंका दहन के दृश्य को वीएफएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नवीनतम तकनीकी उपयोग से जीवंत बनाया गया, जिसे देखकर दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। जय भारत कला मंच द्वारा इस वर्ष रामलीला का आयोजन नए और प्रभावशाली तरीके से किया गया, जिसकी चर्चा न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि देश-विदेश में भी हो रही है। इस आयोजन ने संस्कृति, कला और आधुनिक तकनीक के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

संपादकीय

गुणवत्ता नियंत्रण आदेश ही आत्मनिर्भर भारत की असली कसौटी

भारत में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश का क्रियान्वयन हाल के वर्षों में नीति-निर्माण का अहम हिस्सा बन गया है। इसका मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित और विश्वसनीय उत्पाद उपलब्ध कराना तथा घरेलू उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप बनाना है। किन्तु वास्तविकता यह है कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को लागू करने की प्रक्रिया में अभी भी कई चुनौतियाँ मौजूद हैं, जिनमें नियामकीय अस्पष्टता, अनुपालन की उच्च लागत, डिजिटल अवसंरचना की कमी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की भागीदारी का अभाव प्रमुख हैं। यदि भारत को ₹आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाना है, तो इन चुनौतियों का समाधान व्यापक दृष्टिकोण से करना अनिवार्य होगा। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन में सबसे पहली बाधा नियामकीय ढांचे की अस्पष्टता है। कई बार उद्योगों को यह स्पष्ट नहीं होता कि किस श्रेणी के उत्पादों पर कौन-से मानक लागू हैं और अनुपालन की अंतिम तिथियाँ क्या हैं। अलग-अलग मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी से भी भ्रम की स्थिति पैदा होती है। स्पष्ट दिशा-निर्देश, एकीकृत अधिसूचना प्रणाली और समयबद्ध परामर्श प्रक्रिया इस समस्या को काफी हद तक दूर कर सकते हैं। यदि नीति-निमार्ता उद्योग संगठनों और हितधारकों के साथ नियमित संवाद स्थापित करें, तो न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि अनुपालन प्रक्रिया भी सहज होगी। डिजिटलाइजेशन गुणवत्ता नियंत्रण आदेश क्रियान्वयन को गति देने का सबसे प्रभावी साधन बन सकता है। वर्तमान समय में उद्योगों को प्रमाणन, रजिस्ट्रेशन और निरीक्षण जैसे कार्यों में लंबे समय और संसाधन खर्च करने पड़ते हैं। यदि इन प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल किया जाए और एकल-विंडो प्लेटफॉर्म तैयार किया जाए, तो छोटे उद्योग भी आसानी से इसका लाभ उठा सकेंगे। उदाहरणस्वरूप, ऑनलाइन दस्तावेज जमा करने, वर्चुअल निरीक्षण और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सुविधाएँ अनुपालन की पारदर्शिता बढ़ाने के साथ-साथ भ्रष्टाचार और देरी की संभावना को भी कम करेंगी। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश का अनुपालन बड़े उद्योगों के लिए अपेक्षाकृत सरल हो सकता है, लेकिन एम एस एम ई के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। परीक्षण, प्रमाणन और उत्पाद मानकीकरण की लागत कई बार इन छोटे उद्योगों की सामर्थ्य से बाहर हो जाती है। इससे उनका उत्पादन बाधित होता है और वे बाजार प्रतिस्पर्धा से बाहर होने का जोखिम उठाते हैं। इस समस्या का समाधान वित्तीय राहत योजनाओं के माध्यम से किया जा सकता है। सरकार को एण एस एम ई के लिए रियायती शुल्क, सब्सिडी वाले परीक्षण केंद्र और सरल वित्तीय पैकेज उपलब्ध कराने चाहिए। साथ ही, क्लस्टर आधारित गुणवत्ता प्रयोगशालाओं की स्थापना से छोटे उद्योग सामूहिक रूप से इन सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। गुणवत्ता नियंत्रण केवल नियामकीय प्रक्रिया भर नहीं है, बल्कि यह उद्योग संस्कृति का भी हिस्सा होना चाहिए। यदि एण एस एम ई और घरेलू उद्योगों को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश की उपयोगिता और दीर्घकालिक लाभों के बारे में जागरूक किया जाए, तो वे इसे बोझ की बजाय अवसर के रूप में देखेंगे। इसके लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाने चाहिए। उद्योग-विशेषज्ञों, मानक निकायों और नियामक एजेंसियों को मिलकर क्षमता निर्माण की पहल करनी होगी। इससे न केवल एम एस एम ई की गुणवत्ता संबंधी समझ बढ़ेगी बल्कि उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता भी मजबूत होगी। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के सख्त और प्रभावी क्रियान्वयन से उपभोक्ता को यह भरोसा मिलता है कि उसे मिलने वाला उत्पाद सुरक्षित, टिकाऊ और मानक के अनुरूप है। यह विश्वास लंबे समय में घरेलू बाजार की स्थिरता और उद्योगों की साख को मजबूत करता है। इसके अतिरिक्त, जब घरेलू उद्योग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करेंगे, तो निर्यात की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी। इस प्रकार गुणवत्ता नियंत्रण आदेश केवल उपभोक्ता सुरक्षा का साधन नहीं है, बल्कि यह ₹मेक इन इंडिया' और ₹आत्मनिर्भर भारत' जैसे राष्ट्रीय अभियानों को भी गति देता है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश क्रियान्वयन को सफल बनाने के लिए यह जरूरी है कि सरकार, उद्योग और उपभोक्ता झ्र तीनों पक्षों के बीच संतुलन और समन्वय बना रहे। अत्यधिक सख्ती से उद्योगों पर दबाव बढ़ेगा, जबकि ढील देने से उपभोक्ता सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसलिए एक ऐसा ढांचा तैयार करना होगा जो पारदर्शी, संतुलित और उद्योग-अनुकूल हो। अंत में कह सकते हैं कि प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश क्रियान्वयन केवल कागजी आदेशों से संभव नहीं होगा। इसके लिए नियामकीय स्पष्टता, डिजिटल सुविधा, वित्तीय राहत और एम एस एम ई की सक्रिय भागीदारी जैसे उपायों का एक साथ लागू होना जरूरी है। यह बहुस्तरीय रणनीति अनुपालन बोझ को कम करने के साथ-साथ घरेलू गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी। उपभोक्ता विश्वास, उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों की प्राप्ति झ्र ये सभी प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश क्रियान्वयन के सीधे परिणाम होंगे। इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार और उद्योग जगत मिलकर गुणवत्ता नियंत्रण को केवल नियामक अनिवार्यता नहीं, बल्कि विकास और विश्वासे को आधारे मानें।

वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम और देशहित की दिशा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारत की न्यायपालिका का एक गौरवशाली इतिहास रहा है कि उसने हमेशा संविधान को सर्वोच्च मानते हुए निर्णय दिए हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर जो अंतरिम फैसला सुनाया, उसने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि किसी भी धार्मिक संस्था को संविधान और कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। यह फैसला भले अभी अंतिम न हो, लेकिन इसमें दी गई टिप्पणियाँ और निर्देश वक्फ बोर्ड की दशकों से चली आ रही मनमानी पर अंकुश लगाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, आगे के लिए अब ये तय है।

वक्फ संपत्तियों की विशालता और विवाद

भारत में वक्फ संपत्तियों का दायरा किसी भी निजी या सरकारी संस्थान से बड़ा है। वक्फ बोर्ड के पास देशभर में लगभग 8 लाख से अधिक पंजीकृत संपत्तियाँ और 5 लाख एकड़ से अधिक जमीन है। यह क्षेत्रफल गोवा या सिक्किम जैसे छोटे राज्यों के आकार से भी बड़ा है। इतनी विशाल संपत्ति का प्रबंधन यदि पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से होता, तो इससे मुस्लिम समाज के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के क्षेत्र में क्रांति आ सकती थी। लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। अब तक अलग अलग कई रिपोर्ट सामने आ चुकी हैं, जिसमें यह माना गया है कि वक्फ बोर्ड की हजारों संपत्तियाँ या तो अतिक्रमित हैं या उनका इस्तेमाल उद्देश्य के विपरीत हो रहा है।

2009 में कर्नाटक वक्फ बोर्ड घोटाला सामने आया था, जिसमें 2000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियाँ औने-पौने दाम पर बेच दी गई थीं। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में भी वक्फ बोर्डों पर जमीनों को अवैध रूप से किराये पर देने और निजी लाभ कमाने के आरोप बार-बार उठते रहे हैं। इन उदाहरणों से साफ है कि वक्फ संपत्तियाँ केवल धार्मिक-सामाजिक सेवा का माध्यम न रहकर विवाद, भ्रष्टाचार और राजनीति का अड्डा बन चुकी थीं।

संसद की चिंता और संशोधन की आवश्यकता

संसद में जब वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पेश हुआ, तो सत्तापक्ष ने यह स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्डों की अनियंत्रित शक्तियों को सीमित करना जरूरी है। कई सांसदों ने उदाहरण देकर बताया कि कैसे सरकारी अस्पताल, रेलवे स्टेशन और स्कूलों की जमीनों को वक्फ घोषित कर दिया गया।

एक सांसद ने सदन में यहां तक कह दिया था, ₹यह कैसी व्यवस्था है कि कोई भी बोर्ड यह तय कर दे कि यह जमीन वक्फ की है और असली मालिक को सालों तक अदालतों के चक्कर काटने पड़ें ?' विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि वक्फ संपत्तियों का सही सर्वेक्षण हो, उनका मालिकाना हक स्पष्ट हो और बोर्ड मनमाने ढंग से किसी भी जमीन पर दावा न कर सके। इसके बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने यह स्वीकार किया कि संसद द्वारा पारित कानून की संवैधानिकता का अनुमान हमेशा उसके पक्ष में होता है। इसका अर्थ है कि जब तक कानून स्पष्ट रूप से असंवैधानिक न हो, तब तक अदालत उसे निरस्त नहीं कर सकती।

अदालत ने अंतरिम आदेश में तीन अहम बातें कहीं हैं, कलेक्टर की भूमिका बनी रहेगी, वक्फ बोर्ड के दावों की जाँच अब प्रशासनिक स्तर पर भी होगी। एएसआई सर्वेक्षण पर रोक नहीं है, अतः पारदर्शिता और प्रमाण आधारित दावों को बढ़ावा मिलेगा। लिमिटेशन एक्ट लागू होना चाहिए, ताकि नागरिकों और संस्थाओं को अनिश्चितकाल तक मुकदमों के दलदल में न फँसना पड़े। यह दृष्टिकोण न केवल संविधान की भावना के अनुरूप है बल्कि यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा भी करता है।

अन्य धार्मिक संस्थाओं से तुलना

भारत में केवल वक्फ बोर्ड ही ऐसा नहीं है जिसके पास धार्मिक संपत्तियों का प्रबंधन है। हिंदू मंदिरों और सिख गुरुद्वारों का भी बड़ा नेटवर्क है। लेकिन उनके संचालन में सरकार का नियमन अधिक स्पष्ट है। दक्षिण भारत के कई बड़े मंदिरों (जैसे तिरुपति) का प्रबंधन राज्य सरकार की निगरानी में है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी भी पंजाब सरकार और अदालतों के दिशा-निदेर्शों के अधीन काम करती है। तो फिर वक्फ बोर्ड को ₹विशेषाधिकार' क्यों मिले ? यही सवाल सुप्रीम कोर्ट और संसद दोनों के सामने था।

वक्फ बोर्ड की मनमानी पर रोक

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से वक्फ बोर्ड की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मनमाने ढंग से संपत्तियों को वक्फ घोषित करने पर लगाम कस दी है। अब किसी भी संपत्ति पर दावा करने से पहले दस्तावेजी प्रमाण और प्रशासनिक जाँच आवश्यक होगी। यह कदम उन लाखों नागरिकों के लिए राहत है जिनकी निजी या पैतृक जमीनों पर वर्षों से वक्फ के झूठे दावे चल रहे हैं। स्वभाविक है कि जब संपत्तियों पर धार्मिक विवाद कम होंगे तो समाज में सौहार्द बढ़ेगा। देशभर की अदालतों में वक्फ संपत्तियों से जुड़े हजारों मुकदमे लंबित हैं। पारदर्शी प्रक्रिया से यह संख्या घटेगी। इस व्यवस्था से वक्फ संपत्तियों का असली लाभ गरीब और पिछड़े मुस्लिम समाज को मिल सकेगा। साथ ही लिमिटेशन एक्ट लागू होने से मुकदमे समयबद्ध होंगे और ₹कभी भी दावा करने' की प्रवृत्ति खत्म होगी।

मुस्लिम पक्ष : वास्तविकता और भ्रांतियाँ

मुस्लिम संगठन कह रहे हैं कि इस फैसले से उनकी संपततियों पर खतरा बढ़ जाएगा। लेकिन सच यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों को छीनने का आदेश नहीं दिया, बल्कि केवल उनकी जाँच और पारदर्शिता पर जोर दिया है। यदि वक्फ बोर्ड के पास वैध दस्तावेज और प्रमाण हैं, तो उन्हें किसी भी तरह का डर नहीं होना चाहिए। उलटे इस फैसले से उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी, क्योंकि यह साबित होगा कि उनकी संपततियाँ सही तरीके से पंजीकृत और उपयोग में हैं।

इस तरह से यदि इस निर्णय की गंभीरता और सत्यता देखें तो सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश केवल कानूनी पहलू नहीं है, यह एक सामाजिक संदेश भी देता है कि धार्मिक संस्थाएँ भी पारदर्शिता और जवाबदेही से परे नहीं हो सकतीं। वक्फ बोर्ड ने वर्षों तक जो मनमानी की, वह अब सीमित होगी। यह न केवल हिंदू या गैर-मुस्लिम नागरिकों के लिए राहत है, बल्कि मुस्लिम समाज के लिए भी लाभकारी है। क्योंकि जब संसाधनों का सही उपयोग होगा, तभी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान संभव होगा। यह फैसला देशहित में इसलिए भी है क्योंकि यह हमें याद दिलाता है कि भारत का संविधान सभी धर्मों को समान अधिकार देता है, लेकिन किसी को भी कानून से ऊपर नहीं मानता।

रा. स्व. संघ का पंच परिवर्तनः राष्ट्रीय विकास के लिए पारिवारिक प्रबोधन क्यों आवश्यक

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल(हि.स)

'संयुक्त परिवार, संगठित परिवार, सुरक्षित परिवार, समृद्ध परिवार, रचनात्मक परिवार, सुखी परिवार, स्वस्थ परिवार' संघ के पारिवारिक प्रबोधन अभियान के प्राथमिक उद्देश्य और लक्ष्य हैं। वैश्वीकरण, पश्चिम की अविवेकपूर्ण नकल, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, भौतिकवाद, आत्मकेंद्रित मानसिकता आदि भारतीय परिवार व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। यह समझते हुए कि इन परिवर्तनों की गति, जो भारतीय संस्कृति की आदर्श परिवार व्यवस्था के विपरीत हैं, तेज हो रही है, संघ ने अपने पंच परिवर्तन कार्यक्रम में पारिवारिक प्रबोधन अभियान शुरू किया है। परिवार प्रबोधन गतिविधि का लक्ष्य भारतीयों की अगली पीढ़ी का निर्माण करना है जो अपने राष्ट्र को प्राथमिकता दें।

भारतीय समाज की पहचान संयुक्त परिवार व्यवस्था द्वारा की गई थी जो विश्व में अद्वितीय है। वर्तमान युग में, इसकी जगह एकल परिवार व्यवस्था ने ले ली है, जिसके परिणामस्वरूप अधिक व्यक्तिगतता आई है। शहरीकरण और मैकाले की शिक्षा प्रणाली सहित कई कारणों ने भारतीय परिवार व्यवस्था में एकलीकरण और असांस्कृतिक परिवर्तन को बढ़ावा दिया है। सही मायने में, परिवार अलग-थलग नहीं हो सकते, बल्की पारिवारिक गतिशीलता को अक्सर उनके सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भो के प्रकाश में सबसे अच्छी तरह समझा जा सकता है। भारतीय संस्कृति परिवार की संरचना को उसके प्रकार, आकार और स्वरूप में परिवर्तन करके प्रभावित करती पाई गई है। जैसे-जैसे एकल परिवार व्यवस्था लोकप्रिय हुई, 'केवल दंपत्ति' परिवारों की संख्या बढ़ी। देश में तलाक की बढ़ती दरों के साथ-साथ एकल माताओं की संख्या भी बढ़ी है। विस्तारित परिवार (एक या अधिक माता-पिता या रिश्तेदार) भी प्रचलित हैं। एकल-माता वाले परिवारों (5.4%) की संख्या एकल-पिता वाले परिवारों से अधिक है।

भारतीय परिवार व्यवस्था छोड़ना कितना हानिकारक

संयुक्त से एकल परिवार की ओर बदलावः पहले, संयुक्त परिवार आम थे, जहाँ कई पीढ़ियाँ एक साथ रहती थीं। एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के अनुसार, 2019-21 में भारत में एकल परिवारों का अनुपात 58.2% था। यह स्वायत्तता को बढ़ावा देता है, जबकि परिवार के बुजुर्गो का अलगाव बढ़ाता है और पारिवारिक बंधनों को कमजोर करता है। दम्पतियों के बीच बढ़ती हुई जटिल समस्याएँ तनाव, अनावश्यक विवाद और टकराव, अस्त-व्यस्त दिनचर्या, बच्चों को संभालने में कठिनाई और कम उम्र में बच्चों में नैतिक मूल्यों की शिक्षा में कमी का कारण बनती हैं।

प्रेम विवाह और लिव-इन संबंधों का उदयः प्रेम विवाह में कुछ भी गलत नहीं है लेकिन कई स्थितियों में लव जिहाद और झूठी पहचान जैसी कपटपूर्ण तकनीकों का उपयोग लड़की के जीवन को नुकसान पहुँचाने के लिए किया जाता है। एक और हानिकारक मिसाल ₹लिव-इन रिलेशनशिप' है, जो व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अतिरिक्त नुकसान पहुँचा रही है और साथ ही भारतीय संस्कृति को भी नष्ट कर रही है।

नए पारिवारिक ढाँचों की स्वीकृतिः विधायी परिवर्तनों के बाद एकल-अभिभावक, साथ रहने वाले और LGBTQ+ परिवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। निःसंतान दंपत्ति बच्चे पैदा न करने का विकल्प चुनते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की 31% से अधिक जनसंख्या शहरों में रहती है और अधिक लोग बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों की तलाश में प्रवास कर रहे हैं। 2023-24 में, भारत की महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर (LFPR) 32.68% थी। सहानुभूति, सामाजिक संबंधों और पारंपरिक सहायता तंत्रों के टूटने से अलगाव और सामाजिक विखंडन बढ़ रहा है। व्यक्तिगत स्वार्थ पारिवारिक बंधन, उन लोगों की देखभाल और उनके साथ साझा करने की संस्कृति को नष्ट कर रहा है जिनकी हम परवाह करते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं में वृद्धिः अकेलापन, अवसाद और चिंता, ये सभी पारिवारिक सहयोग की कमी के परिणाम हैं। बच्चों और बुजुर्गों की अक्सर उपेक्षा की जाती है, जिसका उनके भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। बच्चे वीडियो देखने और बातचीत करने के लिए सोशल मीडिया ऐप्स के क्षणिक आकर्षण, ऑनलाइन गेमिंग, किशोरावस्था में यौन संबंध, ड्रग्स, शराब और धूम्रपान की ओर आकर्षित होते हैं, जो इस उम्र में नई सामान्य बात हो गई है। अवसाद, चिंता और घबराहट के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। आत्महत्या की दर में वृद्धि हुई है।

सामाजिक ताने-बाने का कमजोर होनाः सामाजिक ताना-बाना क्षीण हो गया है और लोग दूसरों की और सामाजिक समस्याओं के प्रति चिंता को सतही तौर पर प्रदर्शित करते हैं। विश्वास की कमी बढ़ी है। सामाजिक मानदंड और एक-दूसरे की मदद करने की प्रवृत्ति में कमी आई है।

वृद्धजनों के साथ दुर्व्यवहार में वृद्धिः वृद्धजनों के प्रति सम्मान और देखभाल की कमी परित्याग और उपेक्षा का कारण बनती है। वरिष्ठ नागरिकों का वित्तीय और भावनात्मक शोषण तेजी से प्रचलित हो रहा है।

संकट प्रबंधन क्षमता में कमीः परंपरागत रूप से संयुक्त परिवार संकट के समय वित्तीय और भावनात्मक सहायता प्रदान करते थे। एकल परिवारों में इन सुरक्षा कवचों का अभाव होता है, जिससे वे आपात स्थितियों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं जिससे तनावपूर्ण और घबराहट की स्थिति पैदा होती है।

नैतिक नेतृत्व का अभावः मजबूत पारिवारिक मूल्यों और माता-पिता के नेतृत्व का अभाव अक्सर युवाओं को भटका देता है। नकारात्मक प्रभावों से अपराध और विचलित व्यवहार की घटनाओं में वृद्धि होती है। पारिवारिक मूल्यों के पालन में कमी आने पर तलाक की दर बढ़ जाती है। समझौता और सहयोग तंत्र का अभाव वैवाहिक स्थिरता को कमजोर करता है।

नैतिकता और नैतिक सिद्धांतों में गिरावटः व्यक्तिवाद और भौतिकवादी गतिविधियों की ओर रुझान नैतिक सिद्धांतों को कमजोर करता है। बेईमानी, सहानुभूति का अभाव और लालच तेजी से आम होते जा रहे हैं। सांस्कृतिक और पारंपरिक प्रथाएँ कमजोर हो रही हैं, पारिवारिक रीति-रिवाजों, परंपराओं और त्योहारों की अनदेखी हो रही है। युवा पीढ़ी अपने मूल और इतिहास से दूर होती जा रही है।

बच्चों में कमजोर भावनात्मक विकासः गलत वातावरण में पले-बढ़े बच्चों में भावनात्मक लचीलेपन की कमी होती है। आदर्शों और पर्यवेक्षण की कमी उनके मनोवैज्ञानिक विकास को प्रभावित करती है। वे गलत आदर्शों का अनुसरण करने लगते हैं, जो उन्हें गलत रास्ते या अतिवादी आक्रामक मानसिकता की विचारधारा की ओर ले जाता है, जो संविधान और ₹भारत के विचार' के विरुद्ध है।

पारिवारिक मूल्यों के क्षरण के व्यावहारिक उदाहरण

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा कि भारत में परिवार की अवधारणा लुप्त होती जा रही है क्योंकि समाज ₹एक व्यक्ति, एक परिवार' के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में समतोला देवी (68) और उनके सबसे बड़े बेटे कृष्ण कुमार के बीच संपत्ति विवाद को संदर्भ के रूप में देखा जा सकता है। माता-पिता ने 2007 के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम के तहत अपने बेटे को बेदखल करने की कोशिश की। ₹वसुधैव कुटुम्बकम' (विश्व एक परिवार है) के भारतीय दर्शन के बावजूद, परिवार के प्रत्यक्ष सदस्यों के बीच सामंजस्य कम होता जा रहा है।

किसी राष्ट्र की शक्ति उसके घरों की अखंडता से निर्धारित होती है- कन्फ्यूशियस

दूसरी ओर, संस्कृति का परिवारों पर कोई बाहरी निष्क्रिय प्रभाव नहीं पड़ता; बल्कि, परिवार अपने सदस्यों को सांस्कृतिक मूल्यों को हस्तांतरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माता-पिता अपने बच्चों को सीखने, आत्मसात करने और सांस्कृतिक रूप से जागरूक बनाने में मदद करने के लिए गुप्त और प्रत्यक्ष दोनों तरह की रणनीतियों का उपयोग करते हैं। सामाजिक अधिगम की अवधारणाएँ परिवार के सदस्यों को अपने और दूसरों के आचरण को संशोधित करने में मदद करती हैं। इस प्रक्रिया के दौरान, वैश्विक और भारतीय मानदंडों और मान्यताओं को परिवार की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला जा सकता है, जिससे ₹पारिवारिक मूल्यों' का एक समूह तैयार होता है- परिवार के लिए विशिष्ट सामाजिक मानदंडों का एक उपसमूह। यह विचार प्रदान करने का प्रयास किया जाता है कि प्रत्येक परिवार में कम से कम छह वस्तुएँ सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त होनी चाहिएः भजन, भोजन, भाषा, भूषा (वस्त्र), भवन और भ्रमण (यात्रा)।

पारिवारिक मूल्यों के बिना आर्थिक प्रगति का कोई अर्थ नहीं है और विकास केवल दिखावटी होगा। इसलिए, इस शानदार सभ्यता के सदस्य होने के नाते, हमें अपने परिवारों और समाज, दोनों में पारिवारिक मूल्यों को सिखाने की पहल करनी चाहिए। केवल संघ द्वारा इन मुद्दों पर काम करने से ये पूरी तरह से ठीक नहीं होंगे, लेकिन समाज का सहयोग निःस्संदेह हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र को फिर से महान बनाने में सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज आपको अनावश्यक यात्राओं का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के सदस्य आपके प्रति संतुष्ट रहेंगे। किसी गलत दिशा में आकर्षित होने की संभावना है, इसलिए सतर्क रहें। अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ लेने से बचें, अन्यथा काम का दबाव बढ़ सकता है।

वृषभः मन की कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है। जीवनसाथी से दिल की बातें साझा करने का अवसर मिलेगा। किसी रिश्तेदार से मुलाकात दिन को सुखद बनाएगी। मेहनत का उचित फल मिलेगा। मनपसंद कार्य मिलने से आप संतुष्ट रहेंगे और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुनः जीवन स्तर सुधारने के लिए नए प्रयास शुरू करेंगे। अचानक परेशानियाँ सामने आ सकती हैं। प्रेम संबंधों में समझौता करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारियों का बोझ उठाना होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से सिरदर्द या बुखार की शिकायत हो सकती है।

कर्कः आप जीवनशैली में बदलाव कर सकते हैं। घर की सुख-सुविधाओं और संसाधनों पर धन व्यय होगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। व्यवसाय पर विशेष ध्यान देंगे और नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। परिवार में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंहः काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन के मामलों से फिलहाल दूरी बनाकर रखें। तनाव के चलते नींद प्रभावित हो सकती है। जीवनसाथी के प्रति व्यवहार अच्छा बनाए रखना जरूरी है। अपने कार्य और योग्यता पर विश्वास बनाए रखें। अहंकारी रवैये से रिश्तों में दूरी आ सकती है।

कन्याः पुरानी बीमारी से राहत मिलने की संभावना है। घरेलू व्यवस्था में सुधार होगा। व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। दूसरों की मदद करने से आत्मसंतोष मिलेगा। राजनीतिक मामलों में सावधानी बरतें। मित्रों से अच्छे संबंध बने रहेंगे।

तुलाः आज अपने कार्य करने की शैली को गोपनीय रखें। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी। विद्यार्थी पढ़ाई में थोड़े लापरवाह हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध और प्रगाढ़ होंगे। घर के अधूरे काम पूरे करने की कोशिश करेंगे। समाज में आपकी छवि और व्यक्तित्व की सराहना होगी।

वृश्चिकः आज कार्यभार अधिक रहेगा। वैवाहिक जीवन में कुछ तनाव की संभावना है। गैस और एसिडिटी की समस्या परेशान कर सकती है। महिलाओं को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। किसी को धन उधार देने से बचें।

धनुः आज मेहनत अपेक्षा से ज्यादा करनी होगी। मन को शांत रखने की आवश्यकता है। गलतियों से सीखने का प्रयास करें। मन में शंकाएं रह सकती हैं। आवश्यक कार्यों में धन खर्च अधिक होगा। किसी से अत्यधिक उम्मीद न रखें।

मकरः महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति संभव है। परिवारजन आपसे प्रसन्न रहेंगे। नया कारोबार शुरू करने का अवसर मिलेगा। सकारात्मक विचारों से लाभ मिलेगा। पुराने ऋण चुकाने में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जाने की योजना बन सकती है।

कुंभः भावनाओं में बहकर कोई बड़ा निर्णय न लें। स्वास्थ्य में हल्की परेशानी संभव है। दिन पहले से बेहतर रहेगा। कठिन समस्याओं का समाधान मिलेगा। स्वार्थी प्रवृत्ति के कारण लोग दूरी बना सकते हैं। किसी मित्र को धन देना पड़ सकता है।

मीनः परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भागीदारी संभव है। पति-पत्नी के रिश्ते मधुर रहेंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें। कार्यस्थल की व्यवस्था में बदलाव की योजना बन सकती है। शंकालु स्वभाव हानि पहुँचा सकता है।

पांडुलिपियों का डिजिटलीकरणः भारत की बौद्धिक अस्मिता का संकल्प

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

भारत ऐसा देश है जिसकी पहचान उसकी सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा से होती है। यहाँ हजारों वर्षों से ज्ञान की धारा निरंतर बहती रही है। वेदों और उपनिषदों से लेकर आयुर्वेद, गणित, खगोल, साहित्य और संगीत तक, हमारी पांडुलिपियों ने विश्व को वह दिया है जो आज भी अद्वितीय और अनुपम है। किंतु इस धरोहर को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित करने और दुनिया तक पहुँचाने में हम बार-बार चूकते रहे। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हालिया कथन कि पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण 'बौद्धिक चोरी' को रोकेगा, अत्यंत प्रासंगिक और दूरदर्शी है। यह कथन केवल तकनीकी समाधान की ओर इशारा नहीं करता, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का संकल्प भी है।

भारतीय पांडुलिपियाँ केवल कागज या ताड़पत्र पर लिखे शब्द नहीं हैं। वे समाज की स्मृति हैं, परंपराओं की कहानी हैं और ज्ञान की धरोहर हैं। इनमें विज्ञान, चिकित्सा, खगोल, दर्शन और कला से लेकर जीवनशैली तक का संपूर्ण अनुभव सुरक्षित है। आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आज भी ऐसी औषधियों और चिकित्सा विधियों का उल्लेख मिलता है जिनकी प्रासंगिकता आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है। गणित और खगोल से संबंधित पांडुलिपियों में शून्य, दशमलव और ग्रह-नक्षत्रों की गति का इतना विस्तृत विवरण है कि पश्चिमी जगत ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने वैज्ञानिक शोध को दिशा दी। संगीत और नृत्य की पांडुलिपियाँ हमारी कलात्मक परंपरा को जीवित रखने का आधार हैं।

दुर्भाग्य यह रहा कि इन पांडुलिपियों की रक्षा के मामले में हम लापरवाह साबित हुए। उपनिवेशकाल में अंग्रेज और अन्य यूरोपीय विद्वान यहाँ से अनगिनत ग्रंथ ले गए। उन्होंने उनका अध्ययन किया और कई बार उनके अनुवाद अपने नाम से प्रकाशित करा लिए। योग और ध्यान की पद्धतियाँ, जो भारत की आत्मा हैं, विदेशों में अलग रूप में प्रस्तुत की गईं और उनसे भारी व्यावसायिक लाभ उठाया गया। आयुर्वेदिक नुस्खों और औषधीय पौधों पर विदेशी पेटेंट दर्ज हुए। हल्दी और नीम जैसे सामान्य ज्ञान पर भी कंपनियों ने अपना अधिकार जताने का प्रयास किया। यह सब हमारे लिए चेतावनी है कि यदि हम अपने ज्ञान की रक्षा नहीं करेंगे, तो दुनिया उसे हड़प लेगी।

यही वह संदर्भ है जिसमें डिजिटलीकरण का महत्व बढ़ जाता है। जब कोई पांडुलिपि डिजिटल रूप में दर्ज होगी तो उसका स्रोत और स्वामित्व स्थायी रूप से भारत के नाम पर रहेगा। यह बौद्धिक चोरी रोकने का सबसे प्रभावी साधन होगा। इसके अतिरिक्त, डिजिटलीकरण से पांडुलिपियाँ सुरक्षित रहेंगी। समय, नमी, कीड़े और तापमान परिवर्तन से कागज व ताड़पत्र पर लिखी पांडुलिपियाँ क्षरण का शिकार होती हैं। डिजिटलीकरण उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि डिजिटलीकृत सामग्री दुनिया भर के शोधकताओं और विद्यार्थियों को उपलब्ध होगी। भारत का ज्ञान केवल संग्रहालयों की अलमारियों में बंद न रहकर वैश्विक मंच पर जीवंत रूप में सामने आएगा।

यह कार्य आसान नहीं है। भारत में अनुमानतः पचास लाख से अधिक पांडुलिपियाँ हैं। वे अलग-अलग भाषाओं और लिपियों में लिखी गई हैं- संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, तेलुगु, मलयालम, उर्दू, अरबी, फारसी और अन्य भाषाओं में। कई लिपियाँ अब प्रचलन से बाहर हैं। उन्हें पढ़ना, समझना और डिजिटलीकरण करना विशेषज्ञता की मांग करता है। प्रामाणिकता बनाए रखना भी चुनौती है। अनुवाद या डिजिटल स्कैनिंग के दौरान यदि त्रुटियाँ रह गईं तो मूल ज्ञान विकृत हो सकता है। इसके अतिरिक्त, इतने बड़े कार्य के लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित विशेषज्ञ और आधुनिक तकनीक की भी भारी आवश्यकता होगी।

सरकार ने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन जैसी पहल की है, जो सराहनीय कदम है। परंतु यह कार्य केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, निजी संगठनों और तकनीकी विशेषज्ञों को भी इसमें भागीदारी करनी होगी। आधुनिक तकनीक का पूरा उपयोग करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें न केवल डिजिटलीकरण को आसान बना सकती हैं, बल्कि डेटा की सुरक्षा और खोजने की प्रक्रिया को भी विश्वसनीय बना सकती हैं।

यहाँ हमें वैश्विक अनुभव से भी सीखना चाहिए। यूरोप में 'ए४१ङ्गस्त्रीेंल्लं' परियोजना के तहत लाखों दस्तावेज और कला कृतियाँ ऑनलाइन उपलब्ध कराई गईं। अमेरिका और जापान ने भी अपनी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण कर उसे वैश्विक स्तर पर साझा किया। इन प्रयासों ने उन देशों की बौद्धिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत किया। भारत यदि इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाता है, तो वह न केवल अपनी धरोहर को बचा सकेगा बल्कि विश्व को यह दिखा सकेगा कि ज्ञान की वास्तविक जन्मभूमि कहाँ है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भूपेन हजारिका का भी स्मरण किया। यह स्मरण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि गहरी प्रतीकात्मकता रखता है। हजारिका ने अपने गीतों और संगीत के माध्यम से असम और भारत की आत्मा को स्वर दिया। उनकी रचनाएँ केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का स्रोत थीं। वे हमें यह बताते हैं कि संस्कृति जीवित रहे तो समाज जीवित रहता है। जिस प्रकार हजारिका की रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देंगी, उसी प्रकार पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण हमारी बौद्धिक स्मृतियों को अमर बनाएगा।

इस संदर्भ में यह भी समझना होगा कि डिजिटलीकरण केवल संरक्षण का कार्य नहीं है। यह राष्ट्रीय पुनर्जागरण का अभियान है। जब हम अपने ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ेंगे, तब हम आत्मनिर्भर भारत के उस स्वप्न को साकार करेंगे, जिसमें परंपरा और नवाचार दोनों साथ चलते हैं। यह न केवल हमारी पहचान को सुदृढ़ करेगा बल्कि हमें वैश्विक मंच पर ज्ञान के वास्तविक स्वामी के रूप में स्थापित करेगा। यह ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भी बड़ा कदम होगा।

आज की दुनिया में प्रतिस्पर्धा केवल आर्थिक संसाधनों या सैन्य शक्ति की नहीं है। प्रतिस्पर्धा इस बात की भी है कि किसके पास अधिक मौलिक ज्ञान और बौद्धिक संपदा है। यदि भारत अपनी पांडुलिपियों को डिजिटलीकृत कर उनका पेटेंट और स्वामित्व सुरक्षित कर लेता है, तो वह बौद्धिक संपदा की इस वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बन सकता है। इसके अलावा, यह हमारी युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी साधन बनेगा। जो पीढ़ी आज इंटरनेट और मोबाइल की दुनिया में पल रही है, उसे तभी अपनी परंपरा से वास्तविक परिचय मिलेगा जब वह उसे डिजिटल रूप में देखेगी, पढ़ेगी और समझेगी।

पांडुलिपियाँ केवल अतीत का बोझ नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि ज्ञान कभी स्थिर नहीं रहता। उसे समयानुकूल सुरक्षित, संरक्षित और साझा करना आवश्यक है। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारी धरोहर केवल संग्रहालयों में बंद रह जाएगी और दुनिया उससे वंचित रह जाएगी। डिजिटलीकरण उस सेतु का काम करेगा जो अतीत की गहराई को भविष्य की संभावनाओं से जोड़ता है।

निःस्संदेह, पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण एक लंबा और कठिन कार्य है। परंतु यह वही कार्य है जिससे हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और बौद्धिक स्वाभिमान जुड़ा हुआ है। यह केवल किताबों और कागजों को सुरक्षित रखने का प्रश्न नहीं है, बल्कि हमारी आत्मा और पहचान को बचाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन कि डिजिटलीकरण 'बौद्धिक चोरी' को रोकेगा, समय की पुकार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, समाज और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर इसे राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दें।

पांडुलिपियाँ हमारी स्मृति हैं। उनका डिजिटलीकरण हमें यह विश्वास दिलाता है कि भारत केवल अतीत की भूमि नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा भी है। जब हम अपने ज्ञान को संरक्षित करेंगे और उसे आधुनिक तकनीक से दुनिया तक पहुँचाएँगे, तब सचमुच भारत उस स्थान पर पहुँचेगा जहाँ वह सदियों से होना चाहिए था—ज्ञान का वैश्विक नेतृत्वकर्ता।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब सरकटार ने धान की खरीद के लिए 27,000 करोड़ रुपये का किया प्रबंध

एक भी दाना मंडियों में खराब नहीं होने देंगे: लाल चंद कटारूचकक

संवाददाता

चंडीगढ़/भोगपुर (जालंधर)

- सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश, पूरी प्रकिया में किसानों को कोई कठिनाई ना आये

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने आज जालंधर जिले की भोगपुर दाना मंडी में धान खरीद सीजन की औपचारिक शुरूआत करते हुए किसानों की पूरी फसल की ढुलाई सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार की वचनबद्धता को दोहराया।

खरीद प्रबंधों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार सभी हितधारकों के लिए सुचारू और निर्बाध खरीद सीजन सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

श्री कटारूचक ने आगे कहा कि हाल ही में आई बाढ़ से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, पूरे पंजाब में बेहतर प्रबंध किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसानों को अपनी फसल बेचने में कोई कठिनाई न आए।

मीडिया को संबोधित करते हुए श्री कटारूचक ने कहा कि खरीद सीजन के दौरान किसानों की भलाई हमेशा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने बताया कि धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है और सरकार ने पहले ही सितंबर के लिए नकद ऋण सीमा प्राप्त कर ली है। उन्होंने आगे कहा कि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए बारदाने (गनी बैग) की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

इस वर्ष पंजाब को 172 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य दिया गया था लेकिन लगभग 190 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद के लिए प्रबंध किए गए हैं।

मंत्री ने भरोसा दिलाया कि फसल की ढुलाई और भुगतान एक साथ किया जाएगा और किसानों के खातों में सीधा भुगतान तुरंत डाल दिया जाएगा। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, पंजाब मंडी बोर्ड और जिला प्रशासन के अधिकारियों को 15,000 करोड़ रुपये और अक्टूबर के लिए 27,000 करोड़ रुपये की पारदर्शिता और कुशलता सुनिश्चित करने के लिए मंडियों में कार्य की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के निर्देश दिए।

पंजाब मंडी बोर्ड ने निर्बाध खरीद सुनिश्चित करने के साथ-साथ मंडियों में बिजली, स्वच्छ पेयजल और अन्य सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था के लिए 1822 मंडियां/खरीद केंद्र सक्रिय किए हैं।

अपने दौरे के दौरान श्री लाल चंद कटारूचक ने किसानों गुरकीरत सिंह, जसपाल सिंह और सुखराज सिंह से भी बातचीत की, जिन्होंने भोगपुर दाना मंडी में तेज खरीद प्रक्रिया की सराहना की। मंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी फसल का भुगतान जल्द से जल्द किया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे मंडियों में पूरी तरह सूखा धान ही लाएं क्योंकि अधिक नमी होने पर खरीद प्रक्रिया में कठिनाई आ सकती है।

इस मौके पर वरिष्ठ आप नेता पवन कुमार टीनू, एसडीएम रणदीप सिंह हीर, डीएफएससी हरवीन कौर और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मालवा क्षेत्र में चल रहे नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़; 7.1 किलो हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के मद्देनजर चलाए जा रहे अभियान के दौरान सीमा पार के नार्को-आतंकी नेटवर्कों के विरुद्ध बड़ी सफलता दर्ज करते हुए, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने मोगा निवासी जगप्रीत सिंह उर्फ जग्गा द्वारा चलाए जा रहे नशा तस्करी सिंडिकेट के मुख्य कार्यकर्ता को 7.1 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार कर इस नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को यहां दी। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यासीन मुहम्मद (22) के रूप में हुई है, जो कि संभल, उत्तर प्रदेश (यू.पी.) के गाँव अटवा का निवासी है और इस समय मोहाली के गाँव लालडू में रह रहा था। आरोपी की आपराधिक पृष्टभूमि है और उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, चोरी और स्नैचिंग के मामले दर्ज हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जगप्रीत सिंह उर्फ जग्गा पाकिस्तान-आधारित तस्करों के संपर्क में था और गिरफ्तार आरोपी यासीन मुहम्मद के साथ मिलकर नेटवर्क चला रहा था। डीजीपी ने कहा कि नेटवर्क के अगले-पिछले संबंधों की गहराई से जांच की जा रही है ताकि पूरे गठजोड़ का पदार्फाश किया जा सके। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए, पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पुलिस टीमों को विश्वसनीय सूत्रों से पुख्ता सूचना मिली थी कि आरोपी जगप्रीत के निर्देशों पर उसका साथी, अजनाला सेक्टर के एक निर्धारित क्षेत्र में, पाक-आधारित तस्करों द्वारा ड्रोन के जरिए गिराई गई हेरोइन की खेप प्राप्त कर चुका है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक गुप्त ऑपरेशन चलाया और संदिग्ध यासीन मुहम्मद को छेहरटा के वडाली से उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह हेरोइन की खेप प्राप्त करने के बाद वापस लौट रहा था। सीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से सामने आया है कि नशीले पदार्थ की बरामदगी के बाद, गिरफ्तार आरोपी यासीन खेप को जगप्रीत तक पहुँचाता था, जो आगे इसे पंजाब के मालवा क्षेत्र में अपने संपर्कों को सप्लाई करता था। उन्होंने बताया कि दोनों एक साथ लुधियाना जेल में बंद रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगियां होने की संभावना है। इस संबंध में, अमृतसर कमिश्नरेट के थाना छेहरटा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) और 25 के तहत एफआईआर नंबर 186 दिनांक 15.09.2025 को मामला दर्ज किया गया है।

पहली बार, ईवीएम में दिखाई देंगी उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें

संवाददाता

चंडीगढ़

- भारत चुनाव आयोग ने ईवीएम बैलेट पेपरों को और अधिक पढ़ने योग्य बनाने के लिए दिशा-निर्देशों में किया संशोधन

भारत चुनाव आयोग ने ईवीएम बैलेट पेपरों की स्पष्टता और पठनीयता को और बेहतर बनाने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49बी के तहत मौजूदा दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है। यह पहल चुनाव प्रक्रियाओं को सुचारू और बेहतर बनाने तथा मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से, पिछले 6 महीनों में भारत चुनाव आयोग द्वारा पहले ही की गई 28 पहलों की तर्ज पर की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि इस बार ईवीएम बैलेट पेपर पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी। सही और स्पष्ट दिखने के लिए उम्मीदवार का चेहरा फोटो स्पेस के तीन-चौथाई हिस्से में नजर आएगा। उम्मीदवारों/नोटा के क्रम संख्या भारतीय अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप में छापे जाएंगे। फॉन्ट का साइज 30 और स्पष्टता के लिए बोल्ड होगा। समानता सुनिश्चित करने के लिए, सभी उम्मीदवारों के नाम एक ही प्रकार के फॉन्ट में और आसानी से पढ़ने योग्य पर्याप्त बड़े फॉन्ट आकार में छापे जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बैलेट पेपर 70 जीएसएम पेपर पर छापे जाएंगे। विधानसभा चुनावों के लिए निर्धारित आरजीबी वाले गुलाबी रंग के पेपर का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बिहार में होने वाले चुनावों में अपग्रेड किए गए बैलेट पेपरों का उपयोग किया जाएगा।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह नेशनल मैराथन स्थगित : जय कृष्ण सिंह रोड़ी

चंडीगढ़/गढ़शंकर। पंजाब में आई बाढ़ के कारण बनी गंभीर स्थिति को देखते हुए, पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर स. जय कृष्ण सिंह रोड़ी ने 27 सितंबर, 2025 को माहिलपुर (जिला होशियारपुर) में होने वाली शहीद-ए-आजम भगत सिंह नेशनल मैराथन को स्थगित करने का ऐलान किया है।

रोड़ी ने कहा कि यह मैराथन पंजाब सरकार द्वारा नौजवानों को नशों से दूर रखने, उन्हें खेलों से जोड़ने और उनमें देश भक्ति की भावना को मजबूत करने के लिए शुरू की गई मुहिम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के विजन तहत नौजवानी को स्वास्थ्य, तंदरुस्त और खुशहाल बनाने के लिए खेलों के माध्यम से राह प्रदर्शित करने का यह यत्न था।

परंतु मौजूदा बाढ़ के कारण पंजाब के कई जिलों में भारी जानी व माली नुकसान हुआ है। इन हालातों में, लोगों के दुख-दर्द को बांटने और उनके साथ कंधे से कंधा जोड़ कर खड़ा होने की जरूरत है।

स. रोड़ी ने स्पष्ट किया कि मैराथन को सिर्फ स्थगित किया गया है, रद्द नहीं। जैसे ही हालात सुधरेंगे, इस मैराथन की नई तारीख जल्द ही ऐलानी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार हर घड़ी पंजाब के लोगों के साथ खड़ी है और बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है।

प्रोजेक्ट जीवनज्योत 2.0: पंजाब सरकार का बच्चों को भीख मांगने से खत्म करने का मिशन

संवाददाता

चंडीगढ़

- कपूरथला जोड़ मेला: विशेष टीमें बच्चों की सुरक्षा के लिए तैनात
- 311 बच्चों का बचाव और पुनर्वास झ्र शिक्षा, पोषण एवं सलाह प्रदान

प्रोजेक्ट जीवनज्योत 2.0, पंजाब सरकार की एक दूरदर्शी पहल, बच्चों को गलियों से बचाकर और उन्हें सुरक्षित, सम्मानजनक और आशा भरा भविष्य देकर जीवन बदल रही है।

विवरण साझा करते हुए, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि अमृतसर जिले में गुरुद्वारा साहिब के पास चलाई गई कार्रवाई के दौरान 15 बच्चों को भीख मांगने से बचाकर तुरंत सुरक्षित स्थान पर रखा गया और पुनर्वास उपाय किए गए। उन्होंने कहा कि जन सहयोग उत्साहजनक रहा है, क्योंकि अधिक से अधिक नागरिक धार्मिक स्थानों, बाजारों, बस स्टैंडों और ट्रैफिक सिग्नलों पर बच्चों की भीख मांगने के मामले रिपोर्ट कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री डॉ बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर बच्चे को सुरक्षित बचपन, बेहतर शिक्षा और सम्मान के साथ जीने का अधिकार देना है। उन्होंने कहा, बच्चों का बचपन सड़कों पर नहीं, स्कूलों में होना चाहिए। प्रोजेक्ट जीवनज्योत 2.0 हमारे सपनों के पंजाब की ओर एक बड़ा कदम है, जहाँ कोई भी बच्चा भीख मांगने के लिए मजबूर न हो।

कपूरथला में आयोजित होने वाले वार्षिक जोड़ मेले के मद्देनजर, पूरे मेले के दौरान ड्यूटी पर रहने के लिए विशेष बचाव टीम का गठन किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बच्चा भीख मांगने के लिए मजबूर न हो और बचाए गए बच्चों को सही देखभाल और पुनर्वास मिले।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा, बच्चों की भीख मांगना एक गंभीर सामाजिक मुद्दा है। पंजाब सरकार एक व्यापक योजना तैयार कर रही है जिसमें त्योहारों के सीजन दौरान जागरूकता अभियान, बचाव कार्य और पुनर्वास प्रोग्राम शामिल हैं।

अब तक, 311 बच्चों को बचाया गया है और उन्हें मुख्यधारा समाज में पुनः शामिल करने के लिए शिक्षा, पोषण, सलाह और पुनर्वास सहायता दी जा रही है।

डॉ. बलजीत कौर ने पंजाब के लोगों से अपील की कि बच्चों को दान देने की बजाय चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर कॉल करके ऐसे मामलों की रिपोर्ट करें, ताकि इन बच्चों को सुरक्षित भविष्य दिया जा सके। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ बचाव तक सीमित नहीं है, बल्कि मजबूत भाईचारे की भागीदारी और जन जागरूकता के साथ बच्चों के लिए नया भविष्य बनाने की एक मुहिम है।

शहरी क्षेत्रों में सफाई अभियान जोरों पर, सड़कों, नालियों, स्ट्रीट लाइटों और जल आपूर्ति नेटवर्क की तेजी से की जा रही मरम्मत: डॉ. रवजोत सिंह

संवाददाता

चंडीगढ़

- कहा, क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को दोबारा बहाल किया जा रहा है, कूड़े वाले स्थलों को साफ किया जा रहा है और रोजमर्रा की सफाई संबंधी प्रक्रियाओं की निगरानी की जा रही है

पंजाब भर में शहरी स्थानीय निकायों द्वारा चलाई जा रही 10 दिनों की सफाई मुहिम के तहत कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसमें सड़कों की मरम्मत, नालियों से गाद निकालना, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, पानी की सप्लाई लाइनों की बहाली और संवेदनशील स्थानों से कूड़ा हटाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित कस्बों और शहरों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, कम्पैक्टर और फॉगिंग मशीनों की मदद से समर्पित टीमें 24 घंटे लगातार काम कर रही हैं।

अधिक जानकारी देते हुए स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि वार्ड-वार रोस्टर तैयार किए गए हैं, ताकि योजनाबद्ध तरीके से टीमों को रोजाना निर्धारित क्षेत्रों में लगाया जा सके। लुधियाना जैसे बड़े नगर निगमों में जोनल कमिश्नरों समेत नोडल अफसर नियमित सफाई मुहिमों के अलावा रोजाना दो से तीन वार्डों का दौरा करके इन कार्यों की सीधी निगरानी कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि नागरिकों को सफाई के प्रति जागरूक करने और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए रोजाना जागरूकता गतिविधियाँ की जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारियों की निजी भागीदारी के जरिए स्टाफ और स्थानीय निवासियों को सक्रिय रूप से शामिल किया जा रहा है, ताकि सफाई बनाए रखने के लिए समुदायों को प्रेरित किया जा सके।

डॉ. रवजोत सिंह ने आगे कहा कि कम्पैक्टरों और कचरा प्रोसेसिंग प्लांटों की रोजाना निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही सड़कों, पानी सप्लाई नेटवर्क और स्ट्रीट लाइटों समेत क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की सक्रिय रूप से मरम्मत की जा रही है। कूड़े के संवेदनशील स्थानों को साफ करने और कचरे के जमाव को कम करने के लिए विशेष टीमों को लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि पूरे अभियान को पहले और बाद की तस्वीरों के माध्यम से दस्तावेजी रूप भी दिया जा रहा है। पैस्को के पूर्व सैनिकों को सभी शहरी क्षेत्रों में जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए इन कार्यों की रिपोर्टिंग, पुष्टि और निगरानी में सहयोग के लिए तैनात किया गया है। बाढ़ प्रभावित आबादी की चिंताओं को दूर करने के लिए एक शिकायत निवारण प्रणाली भी शुरू की गई है।

संक्षिप्त-समाचार

स्काईजम्पर ने खोला मोहाली में नया सेंटर

मोहाली। स्काईजम्पर, जो भारत की अग्रणी इंडोर अम्यूजमेंट और एडवेंचर पार्क श्रृंखला है, ने अपना 22वां सेंटर मोहाली में लॉन्च किया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने राष्ट्रीय विस्तार को और मजबूत करते हुए एक्टिव एंटरटेनमेंट सेक्टर में अपनी अग्रणी स्थिति को और पुख्ता किया है। 22,000 वर्ग फुट में फैला यह नया सेंटर ट्रैम्पोलिन्स, उत्तर भारत का सबसे बड़ा वीआर एरीना, हाइपरग्रिड, लेजर वार और स्पाई गेम्स, बच्चों के खेलने का जोन, कैफे और पार्टी हॉल्स जैसी सुविधाओं के साथ एक संपूर्ण पारिवारिक गंतव्य बन गया है-जहाँ मनोरंजन, उत्सव और रोमांचक अनुभव एक साथ मिलते हैं। मोहाली का यह सेंटर खास तौर पर बच्चों की जन्मदिन पार्टियों, स्कूल ट्रिप्स, कॉर्पोरेट इवेंट्स और किटी पार्टियों के लिए डिजाइन किया गया है। यहाँ मस्ती, फिटनेस और एडवेंचर का बेहतरीन संगम है। हर आयु वर्ग के लिए कुछ न कुछ खास उपलब्ध है। मोहाली सेंटर का मुख्य आकर्षण है वीआर एरीना, जो फ्री-रोम और नेक्स्ट-जेन इमर्सिव गेमिंग के साथ एक्टिव एंटरटेनमेंट का नया मानक तय करता है। इसके साथ ही स्काईजम्पर के ट्रेडमार्क ट्रैम्पोलिन अट्रैक्शन्स, निंजा कोर्स और हाई-एनर्जी एडवेंचर जोन भी यहाँ उपलब्ध हैं। स्काईजम्पर के को-फाउंडर सुनील धर ने कहा कि पंजाब में हमेशा से मनोरंजन की जबरदस्त मांग रही है और अब तक इस क्षेत्र में हमारे चार सेंटर संचालित हो रहे हैं। अब मोहाली को भी अपना एक समर्पित हब मिल गया है। इस पर आगे बोलते हुए स्काईजम्पर इंडिया के मार्केटिंग हेड, अंगद सभरवाल ने कहा कि आज हमारे पास भारतभर में 22 सेंटर हैं। स्काईजम्पर ने भारत में सबसे पहले ट्रैम्पोलिन पार्क की शुरूआत की थी और अब हम नए अट्रैक्शन्स और फॉर्मैट्स के साथ सीमाओं को और आगे ले जा रहे हैं।

डाबर और रेकिट ने मीशो मॉल के साथ साझेदारी की

चंडीगढ़। मीशो मॉल ने एफएमसीजी कंपनियों, डाबर एंड रेकिट के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी की मदद से उनके भरोसेमंद पर्सनल केयर उत्पाद पूरे भारत में उपलब्ध होंगे। इस सहयोग के साथ ही, ड्यूरेक्स, मूव, वीट, डेटॉल और डाबर जैसे लोकप्रिय ब्रांड खासकर टियर 2+ शहरों में मीशो के ग्राहकों को आसानी से मिल सकेंगे। यह साझेदारी भारतीय परिवारों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद आसानी से उपलब्ध कराने की उनकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। मीशो मॉल पर उनके पोर्टफोलियो के विस्तार से पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स में मीशो मॉल की पहुँच मजबूत होगी। इस लॉन्च के एक महीने के अंदर ही प्लेटफॉर्म पर हेयर ऑयल, ओरल केयर, और पर्सनल हाईजीन जैसी श्रेणियों में तेज वृद्धि दर्ज हुई है। गौरतलब है कि अधिकांश नए शॉपर टियर 2 शहरों से हैं, जिससे इन शहरों में किफायती उत्पादों की बढ़ती मांग प्रदर्शित होती है। मीशो अपने प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त ब्रांड्स को शामिल करते हुए लगातार अपने उत्पाद संग्रह का विस्तार करने की योजना बना रहा है। इससे ब्रांड्स को कम मूल्य के उत्पाद पेश करके अत्यधिक उपयोग होने वाली श्रेणियों, जैसे विशेष मूल्य के एसकेयू और क्योरेटेड बंडल पेश करने में मदद मिलेगी। टियर 2+ बाजारों में अपनी विस्तृत पहुँच के साथ मीशो का उद्देश्य ब्रांड्स को किफायती और भरोसेमंद विकल्प तलाश रहे भारतीय परिवारों के साथ अपना संबंध मजबूत बनाने में मदद करना है।

अब प्लास्टिक सर्जरी का इलाज और भी आसान

चंडीगढ़। पारस हेल्थ पंचकूला ने प्लास्टिक सर्जरी से जुड़ी तीन नई स्पेशल क्लीनिक की शुरूआत की है, जिनका उद्देश्य लोगों को विशेष, समय पर और एडवांस्ड इलाज उपलब्ध कराना है। इन क्लीनिकों में हाथ, पैर और नसों से जुड़ी समस्याओं का इलाज, डायबिटिक फुट और पुराने घावों की देखभाल, और एस्थेटिक एवं फैट रिडक्शन से जुड़ी सेवाएं दी जाएंगी। हैंड, फुट और नर्व क्लीनिक हर मंगलवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। डायबिटिक फुट और वाउंड क्लीनिक हर गुरुवार 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। एस्थेटिक और फैट रिडक्शन क्लीनिक हर शनिवार आयोजित की जाएगी। समय पर जांच और शुरूआती इलाज को बढ़ावा देने के लिए पारस हेल्थ ने घोषणा की है कि इन तीनों क्लीनिक में पहली कंसल्टेशन बिल्कुल मुफ्त होगी। ये स्पेशल क्लीनिक सामान्य ओपीडी से आगे बढ़कर स्पेसिलाइज्ड देखभाल और एडवांस्ड इलाज की सुविधा देती हैं। हैंड, फुट और नर्व क्लीनिक हाथ या उंगलियों की समस्याओं और नसों से जुड़ी समस्याओं का इलाज करती है। डायबिटिक फुट और वाउंड क्लीनिक डायबिटिक मरीजों में पैरों की बीमारियों की शुरूआती पहचान और इलाज पर ध्यान देती है, ताकि अंग कटने (एम्प्यूटेशन) और लंबे समय की विकलांगता को रोका जा सके। इस मौके पर बोलते हुए पारस हेल्थ के फैसिलिटी डायरेक्टर डा. पंकज मित्तल ने कहा कि पारस हेल्थ में हम एक्टिव और स्पेशलाइज्ड केयर में विश्वास करते हैं। इन स्पेशल क्लीनिक की शुरूआत हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है कि हम जरूरी स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज एक्सपर्टीज, संवेदनशीलता (कॉम्पैशन) और सटीकता के साथ करेंगे।

डिवाइन कराओके क्लब ने संगीत ही जिंदगी है का किया आयोजन

चंडीगढ़। डिवाइन कराओके क्लब चंडीगढ़ ने ट्राइसिटी के मिनी थिएटर में एक संगीत संध्या का सफल आयोजन किया। जिसे नाम दिया गया संगीत ही जिन्दगी है। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाने वालों में शामिल हुए क्विज मास्टर किशोर कुमार शर्मा, डॉ भारत भूषण शर्मा, बी. डी. शर्मा एवं राजेश अत्रे जनरल सैकटरी संगीत नाटक अकादमी. चारों अतिथियों को विशेषताओं पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 30 से अधिक गायकों ने अविस्मरणीय गीतों की प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ लोग तो गीतों पर उठकर खुशी से झुमने और नाचने लगे वह उस गीत को न सिर्फ गुनगुना रहे थे बल्कि अपने दिल में महसूस कर रहे थे और जी रहे थे। कार्यक्रम के अंत में विशेष अतिथि किशोर शर्मा ने जीवन से भरी तेरी आंखें गीत गाकर सबको मन्त्रमुग्ध कर दिया, उन्होंने कहा कि वह प्रेक्टिस से बाहर है लेकिन उसके बावजूद भी बहुत बेहतरीन गीत गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अपने आप को बेहतर या अच्छा सिंगर नहीं बल्कि अपनी मस्ती को जिंदा और सार्थक रखने का एक मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम ने क्लब की उस प्रतिबद्धता को और मजबूत किया, जिसके तहत वह संगीत के माध्यम से लोगों के जीवन में खुशी और ऊर्जा फैलाता है।

इजराइली सुरक्षा बल गाजा शहर में बरपा रहे कहर, हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी

तीन लाख लोगों ने घर छोड़ा, अनुमान सात लाख नागरिक अभी भी शहर में

एजेंसी (हि.स.)
गाजा पट्टी

- लेयेन ने व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करके इजराइल पर राजनीतिक दबाव डालने का प्रस्ताव किया

इजराइली सेना ने गाजा शहर में जमीनी हमला और तेज कर दिया। इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) की दो डिवीजन ने शहर में कहर बरपा दिया है। हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी की जा रही है। इस अभियान में एक-दो दिन में तीसरी डिवीजन के भी साथ आने की उम्मीद है। इस दौरान 3,00,000 (तीन लाख) लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 (सात लाख) नागरिक हैं।

अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल-गाजा सीमा से मंगलवार को ली गई तस्वीरों में गाजा शहर के ऊपर धुएं का गुबार दिखा।इस बीच इजराइल के विदेशमंत्री गिदोन सा'आर ने मंगलवार को एक पत्र में यूरोपीय संघ के साथ इजराइल के समझौते में व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करने के यूरोपीय आयोग के प्रस्ताव को 'अनुपातहीन' बताया।

फोटोः हि.स.

यूरोपीय संघ के आयुक्तों के समूह ने बुधवार को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन के इस प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए एक बैठक आहूत की है। लेयेन ने व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करके इजराइल पर राजनीतिक दबाव डालने का प्रस्ताव किया है। सा'आर ने पत्र में कहा, यह अभूतपूर्व प्रस्ताव, जिसे पहले कभी किसी अन्य देश के खिलाफ लागू नहीं किया गया, इजराइल को नुकसान पहुंचाने का स्पष्ट प्रयास है, जबकि हम अभी भी सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले के बाद थोपे गए युद्ध से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल संप्रभु राष्ट्र है और जब तक इजराइल की सुरक्षा दांव पर है, हम धमकियों के आगे नहीं झुकेंगे। इस प्रस्ताव पर अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस तरह की पहल हमास को मजबूत करती है। आईडीएफ ने कहा कि लगभग 3,00,000 लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 नागरिक हैं। उधर, बंधक और लापता परिवार फोरम मुख्यालय ने मंगलवार को विज्ञप्ति में कहा कि बंधक परिवार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के यरुशलम स्थित आवास के बाहर डेरा डालेंगे। इस दौरान प्रदर्शन किया जाएगा। इन परिवारों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उनके समर्थन के लिए आभार जताते हुए नेतन्याहू से समझौता कराने और युद्ध समाप्त करवाने का आग्रह किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है, हमारे प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंधकों को बचाने और इस युद्ध को समाप्त करने की हमारी पुकार नहीं सुन रहे हैं लेकिन वह आपकी बात सुनेंगे! उन्हें एक ऐसे समझौते के लिए बातचीत की मेज पर लाएं जिससे सभी वापस आ सकें। आईडीएफ प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने मंगलवार को एक ब्रीफिंग के दौरान में कहा, हमारा अनुमान है कि गाजा शहर पर नियंत्रण पाने में कुछ महीने लगेंगे और शहर को बुनियादी ढांचे से मुक्त करने में कुछ और महीने या उससे भी अधिक समय लगेगा। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात को सुरक्षा बलों ने गाजा शहर में जमीनी हमला तेज कर दिया। डेफ्रिन ने कहा, वायु, थल और खुफिया बल गाजा शहर में संयुक्त रूप से हमास के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ को यकीन है कि मंगलवार सुबह तक 370,000 से अधिक फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, पिछले एक महीने में लगभग 220,000 फिलिस्तीनी उत्तरी गाजा से पलायन कर चुके हैं।

कैलिफोर्निया विधानमंडल की दिवाली पर सरकारी छुट्टी को हां, विधेयक पारित

- कैलिफोर्निया दिवाली पर आधिकारिक अवकाश घोषित करने वाला तीसरा राज्य बन सकता है

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया)

कैलिफोर्निया विधानमंडल ने पिछले हफ्ते दिवाली पर सरकारी छुट्टी घोषित करने वाले विधेयक-268 को पारित कर दिया। गर्वनर के इस पर हस्ताक्षर होते ही दिवाली को राज्य की आधिकारिक अवकाश सूची में शामिल कर लिया जाएगा। इस तरह पेंसिल्वेनिया और कनेक्टिकट के बाद कैलिफोर्निया दिवाली पर आधिकारिक अवकाश घोषित करने वाला तीसरा राज्य बन सकता है।

लॉस एंजिल्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, यह विधेयक सामुदायिक कॉलेजों और पब्लिक स्कूलों को दिवाली पर बंद रखने का अधिकार देगा। राज्य के कर्मचारियों को दिवाली के दिन छुट्टी लेने का विकल्प दिया जाएगा। प्रस्तावित कानून के तहत कुछ सामुदायिक कॉलेजों और पब्लिक स्कूलों के कर्मचारियों को वेतन सहित छुट्टी दी जाएगी। कैलिफोर्निया में अभी 11 राजकीय अवकाश हैं। इनमें मार्टिन लूथर किंग जूनियर दिवस, सीजर शावेज दिवस, श्रम दिवस और पूर्व सैनिक दिवस शामिल हैं। इस विधेयक को कानूनी रूप देने के लिए गवर्नर गेविन न्यूसम को 12 अक्टूबर से पहले हस्ताक्षर करने होंगे। विधेयक पेश करने वाले विधानसभा सदस्य ऐश कालरा (डेमोक्रेट-सैन जोस) ने कहा, दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित करने से न केवल इस त्यौहार के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को मान्यता मिलेगी, बल्कि इससे प्रवासी भारतीयों और अन्य देशों के लोगों को दुनिया के सबसे पुराने धार्मिक त्योहारों में से एक में भाग लेने का बेहतर अवसर मिलेगा। स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट के अनुसार, दिवाली पांच दिन तक मनाई जाती है। यह त्यौहार पारंपरिक रूप से अक्टूबर या नवंबर में भारत में मनाया जाता। विदेश में रहने वाले भारतीय भी दिवाली को जोर-शोर से मनाते हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के अनुसार, लोग घरों, व्यवसाय स्थलों, मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दीयों को प्रज्ज्वलित कर मां लक्ष्मी को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित करते हैं। दीपोत्सव में परिवार, दोस्तों और समुदाय के अन्य लोगों से मिलना और उपहारों या मिठाइयों का आदान-प्रदान भी होता है। इस साल दिवाली उत्सव 20 अक्टूबर से शुरू होगा।

ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर दी जन्मदिन की बधाई

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन (अमेरिका)

फोटोः हि.स.

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर फोन कर बधाई दी। साथ ही रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने में सहयोग के लिए आभार जताया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी शानदार काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, अभी-अभी मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक शानदार फोन कॉल हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं! वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। नरेन्द्र रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डीजेटी।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कॉल के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वह भी अमेरिकी नेता की तरह भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप को मेरा मित्र संबोधित किया। मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उनकी पहल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति ट्रंप मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।

बिहार के कई सरकारी अस्पतालों के पैथोलॉजी केंद्र में केमिकल की कमी, जांच बंद

पटना। बिहार के कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में इन दिनों पैथोलॉजी जांच केंद्र में जांच बंद कर दी गई हैं। सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजी केंद्र के बाहर सरकारी नोटिस चस्पा कर दिए गए हैं। इनमें कहा गया है कि केमिकल नहीं होने के कारण कई महत्वपूर्ण जांच बंद कर दी गई हैं। जनता परेशान है और स्वास्थ्य विभाग मूकदर्शक बना हुआ है। हाल के दिनों में औरंगाबाद, नांलदा, बिहार शरीफ समेत कई जिलों में एएलपी ,एएसओ,आरए फैक्टर एसजीओटी, सीआरपी, क्रैटाइन, टीजी, एचबीएवनसी, पीटीआईएनआर जैसी महत्वपूर्ण जांचें न हो पाने से सैकड़ों मरीजों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ा। यह जांचें आम तौर पर लीवर एवं अन्य संक्रमण के कारगर इलाज के लिए अहम होती हैं। बिहार में इस समय डेंगू तेजी से पैर पसार रहा है। डेंगू से लगभग पांच सौ लोग संक्रमित हो चुके हैं। अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारी यह दलील दे रहे हैं कि ऊपर से वेंडर को केमिकल का आर्डर नहीं मिलने के कारण यह जांचें नहीं पा रही हैं। इसके लिए वह खेद भी जता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बिहार में पीपीपी मॉडल के आधार पर पैथोलॉजी जांचें होती हैं। इसके तहत बिहार स्वास्थ्य विभाग को आवश्यकता अनुसार समय-समय पर नियुक्त एजेंसियों को रीजेन्ट (केमिकल) का आर्डर देना पड़ता है।

नाइजीरियाई सेना ने बोर्नो और आदामावा में 11 आईएसडब्ल्यूएपी आतंकियों को ढेर किया

एजेंसी (हि.स.)
माइडुगुरी (नाइजीरिया)

फोटोः हि.स.

नाइजीरियाई सेना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों बोर्नो और आदामावा में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रॉविन्स के कम से कम 11 आतंकियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

संयुक्त कार्यबल के बयान के अनुसार, पहली मुठभेड़ 15 सितंबर को बोर्नो राज्य के बगा-क्रॉस कौवा रोड पर गारिन गीवा इलाके में हुई। गश्ती दल पर घात लगाकर हमला करने वाले आतंकियों ने पहले आईईडी विस्फोट किया और फिर गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सैनिकों ने आठ आतंकियों को ढेर किया, जिनमें दो वरिष्ठ कमांडर भी शामिल थे। मौके से 14 मोटरसाइकिल, असॉल्ट राइफलें, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद हुई। दूसरी कार्रवाई आदमावा राज्य के मडागली जिले के उम्बो गांव में स्थानीय सतर्क बलों और शिकारी दस्तों की मदद से की गई। इसमें तीन आतंकी मारे गए और उनके पास से हथियार व संचार उपकरण बरामद हुए।

सेना ने बताया कि इन अभियानों में किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ। बयान में कहा गया कि ये कार्रवाई आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने और हिंसा प्रभावित समुदायों में शांति बहाल करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। गौरतलब है कि नाइजीरिया पिछले एक दशक से बोको हराम और उसके अलग हुए गुट क्रहअढ से जूझ रहा है। इस संघर्ष में अब तक दसियों हजार लोग मारे जा चुके हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

मणिपुर में कई उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

- बैंकों में ऋण मंजूर कराने और वसूली में लगा हुआ था गिरोहः पुलिस

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने राज्य के विभिन्न जिलों में प्रतिबंधित संगठनों के कई उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में न केवल कई गिरफ्तारियां हुईं, बल्कि हथियारों, संगठनात्मक मुहरों, संदिग्ध दस्तावेजों और अन्य सामग्री का बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि कांगलेपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के तीन कैडर - थांगजम याइफाबा मैतेई (31), संज्रामबम लोहा मैतेई (29) (दोनों इंफाल ईस्ट) और टोंजम हेमोन सिंह (46) (तांगखाम मक्ला लैकाई) को इंफाल ईस्ट के खाबाम लामखाई बाजार और हाटा कांगजेइबुंग इलाकों से पकड़ा गया। इनके पास से मोबाइल फोन, आधार कार्ड, संगठनात्मक सील, केसीपी लेटरहेड और नकद बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह बैंकों में दबाव बनाकर ऋण मंजूर कराने और वसूली में लगा हुआ था।थौबल जिले के खांगाबोक जिला अस्पताल के पास से यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफझकोइरेंग गुट) के दो कैडर गिरफ्तार किए गए। उनकी पहचान हुइद्रोम संगबा (40) (इंफाल ईस्ट) और निंगोम्बम बिर्बन मैतेई (43) (चुराचांदपुर) के रूप में हुई। उनके पास से एक सफेद बोलेरो वाहन, मोबाइल, आधार कार्ड, एटीएम और दस्तावेज जब्त किए गए। इसी तरह, बिष्णुपुर जिले के कैबुल लामजाओ थाना क्षेत्र से पुलिस ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दो कैडरों को उनके घरों से गिरफ्तार किया। उनकी पहचान सलाम ब्रोजेन मैतेई (41) और ओइनाम मणि सिंह (42) के रूप में हुई। उनके पास से दो मोबाइल बरामद हुए।

सबसे बड़ी सफलता थौबल के लिलोंग बाजार में मिली, जहां से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के तीन और उग्रवादी - मो. शागिर खान (28), थानशोक अवुंगशी शिमराय (37) और ओइनाम अमितकुमार सिंह (28) को पकड़ा गया। उनकी निशानदेही पर नोंगपोक कैथेलमनबी इलाके से एक एम-16 राइफल, चार इंसास राइफल, चार एसएलआर, दो .303 राइफल, 382 कारतूस और 26 मैगजीन बरामद की गईं। अधिकारियों ने कहा कि ये गिरफ्तारियां और बरामदगी मणिपुर में भूमिगत संगठनों के लिए बड़ा झटका है, जो फिर से लामबंद होकर वसूली और दबाव की राजनीति करने की कोशिश कर रहे थे।

उत्तराखंड में लगातार मूसलाधार बारिश से तबाही, राज्य भर में 15 लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

फोटोः हि.स.

देहरादून सहित प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार रात से बारिश का दौर जारी है। इससे कई स्थानों पर सामान्य जन जीवन प्रभावित हुआ है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार लगातार भारी बारिश के कारण राज्य में 15 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से देहरादून जिले में 13 लोगों की मौत हुई है और लापता 16 अन्य लोगों की तलाश जारी है।

शासन और प्रशासन की ओर से राहत व बचाव अभियान युद्ध स्तर पर किया जा रहा है और लगभग 900 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है।मूसलाधार बारिश से देहरादून जिले के मालदेवता, सहस्त्रधारा, मजयाड़ा और कालीगाड़ में जानमाल का काफी नुकसान हुआ है। बारिश और भूस्खलन से सड़कों, पुलों, सरकारी और निजी परिसंपत्तियों को भारी क्षति हुई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से कालीगाड़ में फंसे 70 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून जिले के अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों की गति तेज करने के निर्देश दिए। इस बीच, आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने 20 सितंबर तक प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का चेतावनी दी है। ज्योतिर्मठ में वाहन दुर्घटना, एक की मौत ज्योतिर्मठ के मारवाड़ी पुल से एक वाहन अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया। वाहन में 6 लोग सवार थे। पांच घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई जबकि एक शव एसडीआरएफ ने बरामद कर पुलिस को सौंप दिया है।

बलिया में सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक को बाइक सवार बदमाशों ने मारी गोली, मौत

एजेंसी (हि.स.)
बलिया (उत्तर प्रदेश)

फोटोः हि.स.

बलिया जिले में मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों ने सरकारी विद्यालय से अपने घर लौट रहे प्रधानाध्यापक को कथित तौर पर गोली मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में एक सहायक शिक्षिका भी घायल हो गई।

उसके अनुसार, जिले के उभांव थाना क्षेत्र के बिल्थरारोड कस्बे के यादव नगर निवासी देवेंद्र यादव (57) मंगलवार को देवरिया जिले के सरकारी कंपोजिट विद्यालय में आयोजित एक संकुल बैठक में शामिल होने के बाद उसी स्कूल की सहायक अध्यापिका कंचन सिंह के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। तभी साहुनपुर गांव के समीप मोटरसाइकिल सवार तीन अपराधियों ने उनकी सोने की चेन छीन ली। पुलिस ने बताया कि विरोध करने पर अपराधियों ने देवेंद्र यादव को गोली मार दी। उसने बताया कि इस घटना में देवेंद्र यादव और बिल्थरारोड के बीबीपुर मोहल्ले की निवासी कंचन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने देवेंद्र यादव की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बलिया रेफर कर दिया।

पुलिस ने बताया कि बलिया से यादव को मऊ और फिर वाराणसी के ट्रामा सेंटर भेजा गया। वाराणसी ले जाते समय मंगलवार देर शाम देवेंद्र यादव की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच के लिए पुलिस की चार टीम गठित की गई हैं।

रिपोर्ट

अगस्त में अमेरिका को निर्यात 6.7 अरब अमेरिकी डॉलर गिरा

ऊंचे शुल्क की वजह से घट रहा है अमेरिका को भारत का निर्यात : जीटीआरआई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने बुधवार को कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क के कारण अमेरिका को भारत का निर्यात घट रहा है और इससे वहां घरेलू वस्तुओं की मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता कम होने लगी है।

जीटीआरआई ने कहा कि अगस्त में अमेरिका को निर्यात 6.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक गिर गया, जो जुलाई की तुलना में 16.3 प्रतिशत कम है। यह 2025 की सबसे बड़ी मासिक गिरावट है, क्योंकि महीने के अंत तक अमेरिकी शुल्क दोगुना होकर 50 प्रतिशत हो गया। जुलाई में निर्यात जून की तुलना में 3.6 प्रतिशत घटकर आठ अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। जून महीने में भी मई की तुलना में 5.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ निर्यात 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। मई, 2025 वृद्धि का आखिरी महीना था, क्योंकि अमेरिका को निर्यात अप्रैल की तुलना में 4.8 प्रतिशत बढ़कर 8.8 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। अप्रैल में अमेरिका को निर्यात 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''निर्यात में गिरावट शुल्क में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के साथ जुड़ी हुई है। चार अप्रैल तक, भारतीय उत्पाद सामान्य एमएफएन (सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र) दरों पर अमेरिका में प्रवेश करते थे। पांच अप्रैल से, अमेरिका ने एक समान 10 प्रतिशत का शुल्क लगा दिया, जो शुरूआत में व्यापार प्रवाह को प्रभावित करने में विफल रहा क्योंकि आयातकों ने अग्रिम खरीद में तेजी दिखाई। उन्होंने कहा कि मई में निर्यात में वृद्धि इसी का कारण थी। श्रीवास्तव ने कहा, हालांकि, जून तक, लगातार 10 प्रतिशत शुल्क और देश-विशिष्ट उपायों की बढ़ती चर्चा ने 'भारत की मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता को कम करना' शुरू कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि ऑर्डर वैकल्पिक आपूर्तिकताओं को स्थानांतरित हो गए, जिससे निर्यात में लगभग छह प्रतिशत की गिरावट आई। उन्होंने कहा, ''उसी शुल्क व्यवस्था के तहत जुलाई में गिरावट और बड़ी हो गई।

संक्षिप्त-समाचार

झारखंड के गुमला में एसयूवी-ऑटोरिक्शा की टक्कर में तीन की मौत

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में एक एसयूवी एवं ऑटोरिक्शा के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गयी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गयी। मरने वालों में ढाई साल का एक बच्चा भी शामिल है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। डुमरी पुलिस थाने के प्रभारी अनुज कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह हादसा मंगलवार शाम उस समय हुआ जब जैरागी बाजार से सवारियों को लेकर लौट रहा एक ऑटोरिक्शा महुआडांड़-जैरागी मुख्य मार्ग पर अनवरटोल गार्डन के पास लातेहार की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) से टकरा गया। कुमार ने बताया कि टक्कर के कारण ऑटोरिक्शा पलट गया और हुंडरू नागेसिया (65) और बिट्टू तुरी (56) नामक दो बुजुर्गों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में ढाई साल के अनीश बारा को सिर में गंभीर चोटें आईं। बेहतर उपचार के लिए डुमरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से गुमला के सदर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा, ''हुंडरू नागेसिया डुमरी के चिरोटोली गांव का जबकि बिट्टू तुरी लातेहार जिले के महुआडांड़ का रहने वाला था। बच्चे की पहचान चिरोटोली के ही पीटर बारा के पुत्र के रूप में हुई, जिसे गुमला के सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया, रहमने शवों को गुमला के सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और एसयूवी की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जा रही है। हम इस 'हिट एंड रन' मामले में मृतकों और घायलों को अनुग्रह राशि दिलाने की कोशिश करेंगे। हादसे में ऑटोरिक्शा में सवार तीन अन्य लोग मामूली रूप से घायल हुए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डुमरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से छुट्टी दे दी गई।

प्रश्न पत्र लीक मामले में पूर्व नौसेना अधिकारी समेत दो लोगों को तीन साल की सजा

मुंबई। मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत ने नौसेना में लोअर डिवीजन क्लर्क (एलडीसी) की भर्ती के लिए परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में भारतीय नौसेना के एक पूर्व अधिकारी समेत दो लोगों को मंगलवार को दोषी ठहराया और अपराध की गंभीर प्रकृति को देखते हुए उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई। अदालत ने फैसला सुनाया कि 2010 के मामले में अपराध ''गंभीर प्रकृति का था और भर्ती प्रक्रिया के साथ समझौता होने के कारण इसका दूरगामी प्रभाव पड़ा इसलिए, ऐसे अपराधों से ''सख्ती से निपटा जाना चाहिए। हालांकि, मामले में चार अन्य आरोपियों को विशेष सीबीआई न्यायाधीश ए वी खारकर ने बरी कर दिया। दोषियों में एक कोचिंग सेंटर चलाने वाला रामबीर रावत और एक पूर्व नौसेना अधिकारी रमेश सैनी शामिल हैं। उन्हें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी और जाली दस्तावेजों को असली बताकर इस्तेमाल करने का दोषी ठहराया गया। अदालत ने उन्हें तीन साल के कठोर कारावास (आरआई) की सजा सुनाई और प्रत्येक को 50,000 रुपये का जुमार्ना भरने का निर्देश दिया। एलडीसी परीक्षा में धांधली की विश्वसनीय सूचना के आधार पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच शुरू की थी। सीबीआई की ओर से पेश विशेष सरकारी वकील संदीप सिंह का तर्क था कि आरोपियों ने परीक्षा में धांधली के लिए आपराधिक षड्यंत्र रचा था। आरोपियों ने कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक किया था और मुंबई के एक लॉज में उम्मीदवारों को ट्यूशन पढ़ाया था। सीबीआई द्वारा 25-26 सितंबर 2010 की रात को मुंबई के एक लॉज में की गई छापेमारी में प्रश्नपत्रों और नकदी सहित आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुनाया कि अभियोजन पक्ष द्वारा साबित की गई परिस्थितियां निर्णायक रूप से आरोपी रावत और सैनी के अपराध की ओर इशारा करती हैं। हालांकि, अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष चार अन्य आरोपियों के खिलाफ मामले को संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

हमारी चिंता मत कीजिए : अदालत ने 'जॉली एलएलबी 3' के खिलाफ याचिका खारिज करते हुए कहा

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी, जिसमें न्यायाधीशों और वकीलों का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि अदालत इस तरह के मजाक की आदी हो चुकी है। उसने कहा, 'हमारी चिंता न करें।' वकील चंद्रकांत गायकवाड़ के जरिए 'एसोसिएशन फॉर एडिंग जस्टिस' द्वारा दायर याचिका में फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने और 'भाई वकील है' गाने को हटाने का अनुरोध किया गया था, जिसके बारे में दावा किया गया कि यह कानूनी पेशे के लिए अपमानजनक है। याचिकाकर्ता के वकील दीपेश सिरोया ने कहा कि फिल्म और गीत में न केवल वकीलों का बल्कि न्यायाधीशों का भी मजाक उड़ाया गया है, क्योंकि एक दृश्य में न्यायाधीशों को 'मामू' कहा गया है, जो न्यायपालिका के लिए अपमानजनक शब्द है। इस पर मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि उन्हें इसकी कोई चिंता नहीं है। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा, पहले दिन से ही हमारा मजाक उड़ाया जा रहा है। हमारी चिंता मत कीजिए। फिल्म निमार्ताओं ने पीठ को बताया कि फिल्म के खिलाफ इसी तरह की एक याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर की गई थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

मिजोरम में 20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की हेरोइन जब्त

आइजोल। असम राइफल्स के जवानों ने म्यांमा सीमा के पास पूर्वी मिजोरम के चम्फाई जिले में करीब 20 करोड़ रुपये मूल्य की 2.46 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। असम राइफल्स ने एक बयान में कहा कि गोपनीय सूचना के आधार पर जवानों ने मंगलवार को मेलबुक रोड क्षेत्र में तिआउ नदी के पास अभियान चलाया और उन्हें देखते ही दो संदिग्ध हथियार छोड़कर म्यांमा की सीमा के पार भाग गए। उन्होंने बताया कि हेरोइन को ले जाने के लिए प्रयुक्त वाहन सहित प्रतिबंधित सामग्री को जब्त कर लिया गया है। बयान में कहा गया कि जब्त हेरोइन को आगे की जांच के लिए जोखावथर पुलिस को सौंप दिया गया है।

एशिया कप 2025 : बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को आठ रन से हराया

तंजिद हसन और गेंदबाजों ने दिखाया दम

एजेंसी (हि.स.)

अबू धाबी

एशिया कप 2025 के ग्रुप-बी के नौवें मैच में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 8 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। शेख जायद स्टेडियम में खेले गए इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 154 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 146 रन पर ऑलआउट हो गई।

फोटोः हि.स.

बांग्लादेश की ओर से सबसे बड़ी पारी तंजिद हसन तमिम ने खेली। उन्होंने 41 गेंदों पर 52 रन बनाकर टीम को ठोस शुरूआत दिलाई। मध्यम क्रम में सैफ हसन ने 30 रन जोड़े, जबकि कप्तान लिटन दास ने 25 रन का योगदान दिया। अफगानिस्तान के गेंदबाजों में नूर अहमद सबसे सफल रहे, उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरूआत अच्छी रही। ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज ने 35 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई ने 30 रन की पारी खेली।

लेकिन मध्यक्रम में लगातार विकेट गिरने से अफगानिस्तान की पारी लड़खड़ा गई। कप्तान राशिद खान ने कुछ ताबड़तोड़ शॉट लगाए, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा। रिशाद हुसैन और टास्किन अहमद ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मुसतफि जुर रहमान और अन्य गेंदबाजों ने भी सटीक लाइन-लेंथ से अफगानी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। आखिरी ओवरों में अफगानिस्तान को जीत के लिए तेज रन चाहिए थे, लेकिन बांग्लादेशी गेंदबाजों ने संयम दिखाते हुए टीम को 146 रन पर रोक दिया। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने टूर्नामेंट में अपनी सुपर-4 की उम्मीदों को और मजबूती दी।

यूएई मुकाबले से पहले पाकिस्तान ने रद्द की प्रेस कॉन्फ्रेंस

दुबई। एशिया कप 2025 में बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले से पहले पाकिस्तान ने अपनी प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी। हालांकि टीम ने अभ्यास सत्र जारी रखा, जो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) अकादमी के उसी परिसर में हुआ जहां भारतीय टीम भी प्रैक्टिस कर रही थी। यह सब हाल ही में हुए हैंडशेक विवाद के बाद के तनावपूर्ण माहौल में हुआ। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की अपील की थी, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। पाइक्रॉफ्ट ने भारत-पाक मैच से पहले पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा को सूचित किया था कि टॉस के समय उनके भारतीय समकक्ष सूर्यकुमार यादव से हाथ नहीं मिलाया जाएगा। इसी वजह से कयास लगाए जा रहे थे कि पाकिस्तान यूएई के खिलाफ मुकाबले से हट भी सकता है। हालांकि, फिलहाल पाइक्रॉफ्ट ही इस मैच में रेफरी की भूमिका निभाने वाले हैं। यह मुकाबला पाकिस्तान और यूएई दोनों के लिए करो या मरो की स्थिति वाला है, क्योंकि विजेता टीम सुपर फोर में जगह बनाएगी। वहीं भारत पहले ही लगातार दो जीत दर्ज कर सुपर फोर में पहुंच चुका है। भारतीय टीम ने मंगलवार को शाम 6 बजे से तीन घंटे तक भीषण गर्मी में अभ्यास किया। दूसरी ओर पाकिस्तान ने रात 8 बजे से लगभग 20 मिनट तक हल्के-फुल्के अंदाज में फुटबॉल वॉर्म-अप किया। भारत की ओर से संजू सैमसन, अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने सबसे पहले नेट्स में बल्लेबाजी की, उसके बाद शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव ने पिच पर हाथ आजमाया। इस दौरान हर्षित राणा ने कुछ जोरदार शॉट खेले, जिनमें से एक छक्का पाकिस्तान टीम के अभ्यास स्थल की ओर चला गया। भारतीय गेंदबाजों ने अपेक्षाकृत हल्का अभ्यास किया क्योंकि वे पिछले दो मैचों में लंबा समय मैदान पर बिता चुके हैं।

एमबाप्पे के दो गोल से रीयाल मैड्रिड जीता

- एमबाप्पे के अब मैड्रिड के लिए 64 मैच में 50 गोल हो गए हैं

एजेंसी (हि.स.)

मैड्रिड

काइलियान एमबाप्पे ने पेनल्टी पर दो गोल दागे जिससे 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रीयाल मैड्रिड ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चैंपियन्स लीग फुटबॉल के पहले दिन मार्सिले को 2-1 से हराया। इस जीत का मतलब है कि 15 बार का चैंपियन मैड्रिड 1990 के दशक की शुरूआत में प्रतियोगिता को नए सिरे से पेश किए जाने के बाद 200 जीत तक पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। मैड्रिड के पूर्व खिलाड़ी जाबी अलोंसो ने इसके साथ क्लब के कोच के रूप में अपने चैंपियन्स लीग पदार्पण में जीत के साथ आगाज किया।

टिमोथी वीह ने शुरूआत में ही मार्सिले को बढ़त दिला दी लेकिन एमबाप्पे ने 29वें और 81वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके अपनी टीम को जीत दिला दी। एमबाप्पे के अब मैड्रिड के लिए 64 मैच में 50 गोल हो गए हैं। टोटेनहैम ने गोलकीपर लुईज जूनियर के आत्मघाती गोल से विलारीयाल को 1-0 से हराया। तूरिन में बोरूसिया डोर्टमंड और यूवेंटस ने 4-4 से ड्रॉ खेला जबकि काराबेग ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बेनफिका को 3-2 से हराया। आर्सेनल ने एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराया जबकि टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे बेल्जियम के यूनियन सेंट गिलोइसो ने पीएसवी आइंडहोवेन को 3-1 से शिकस्त दी।

फोटोः हि.स.

मार्सिले के गोलकीपर को सिर से टक्कर मारने के लिए रीयाल मैड्रिड के कार्वाजल को लाल कार्ड

मैड्रिड। चैंपियन्स लीग के एक मैच में मार्सिले के गोलकीपर गेरोनिमो रूली को सिर से टक्कर मारने के बाद रीयाल मैड्रिड के अनुभवी डिफेंडर दानी कार्वाजल को लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। मैड्रिड के कॉर्नर किक लेने से पहले कार्वाजल और रूली के बीच बहस हो रही थी और तभी डिफेंडर गोलकीपर के करीब गया और उसके चेहरे पर अपना सिर दे मारा। रैफरी ने कार्वाजल की हरकत नहीं देखी लेकिन मार्सिले के खिलाड़ियों ने तुरंत शिकायत की। वीडियो रिव्यु देखने के बाद रैफरी ने 72वें मिनट में कार्वाजल को लाल कार्ड दिखाया। उस समय मैड्रिड के कप्तान कार्वाजल चोटिल ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड की जगह लेने के लिए पांचवें मिनट में मैच में उतरे थे। घटना के समय मैच 1-1 से बराबरी पर था। मैड्रिड ने काइलियान एमबाप्पे के पेनल्टी पर दागे दो गोल से 2-1 से जीत हासिल की।

सर्वेश कुशारे ने रचा इतिहास, पुरुष ऊंची कूद फाइनल में छठे स्थान पर रहे

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

टोक्यो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के सर्वेश कुशारे ने पुरुष ऊंची कूद स्पर्धा के फाइनल में नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (पर्सनल बेस्ट) दर्ज करते हुए संयुक्त रूप से छठा स्थान हासिल किया। कुशारे ने अपने आखिरी प्रयास में 2.28 मीटर की ऊंचाई पार की, जो उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि पदक की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें राष्ट्रीय रिकॉर्ड (2.29 मीटर) तोड़ते हुए 2.31 मीटर पार करना जरूरी था, लेकिन तीनों प्रयासों में वे ऐसा करने में असफल रहे। इसी ऊंचाई पर अमेरिका के टायस विल्सन ने भी अपना सीजन बेस्ट दर्ज किया और कुशरे के साथ छठे स्थान पर रहे। टूर्नामेंट का स्वर्ण पदक न्यूजीलैंड के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन हेमिश केर ने 2.36 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर जीता। दक्षिण कोरिया के सांग'ाक वू ने 2.34 मीटर के साथ रजत पदक, जबकि चेकिया के जान स्टेफेला ने 2.31 मीटर कूदकर कांस्य पदक अपने नाम किया। क्वालिफिकेशन राउंड में कुशारे ने 2.25 मीटर की छलांग लगाकर इतिहास रचा था। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप के ऊंची कूद फाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बने।

फोटोः हि.स.

बिली जीन किंग कप : पाओलिनी ने दिलाई इटली को सेमीफाइनल में जगह

शेनझेन। मौजूदा चैंपियन इटली ने मेजबान चीन को 2-0 से हराकर बिली जीन किंग कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व की नंबर 8 खिलाड़ी जैस्मिन पाओलिनी ने रोमांचक मुकाबले में वांग शिन्यू को 4-6, 7-6(4), 6-4 से मात देकर इटली की जीत सुनिश्चित की। पाओलिनी दूसरे सेट में 3-5 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और तीसरे सेट में भी दबाव झेलते हुए मुकाबला अपने नाम किया। इससे पहले, एलिसाबेटा कोच्चियारेट्टो ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए युआन युए को 4-6, 7-5, 7-5 से हराया। वह एक सेट और निर्णायक सेट में 0-4 से पिछड़ने के बावजूद वापसी कर जीत हासिल करने में सफल रहीं। दोनों मैच लगभग तीन-तीन घंटे तक चले। सेमीफाइनल में इटली का मुकाबला बुधवार को होने वाले स्पेन और यूक्रेन के बीच क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

यूएस ओपन विजेता आर्यना सबालेंका चोट के कारण चाइना ओपन से हटीं

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

बेलारुस की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी और यूएस ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका ने चोट के कारण चाइना ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने बुधवार को उक्त जानकारी दी।

इस महीने की शुरूआत में अमांडा अनिसिमोवा को हराकर लगातार दूसरी बार यूएस ओपन और चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली बेलारूसी खिलाड़ी पिछले साल बीजिंग में डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुँची थीं। सबालेंका ने आयोजकों द्वारा दिए गए एक बयान में कहा, यूएस ओपन के बाद लगी एक छोटी सी चोट के कारण मुझे इस साल चाइना ओपन से हटने की घोषणा करते हुए दुख हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा, मैं साल के बाकी समय में पूरी तरह स्वस्थ रहने पर ध्यान केंद्रित करूँगी।

अमेरिकी कोको गॉफ चाइना ओपन की गत विजेता हैं, जो 24 सितंबर से 5 अक्टूबर तक बीजिंग के नेशनल टेनिस सेंटर में आयोजित होगा।

पुणे हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच में 'विलंब' के कारण छह निशानेबाजों की उड़ान छूटी

पुणे। चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए गोवा जा रहे पुणे के छह राइफल और पिस्टल निशानेबाज हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान उनके हथियारों और कारतूस को स्वीकृति देने में कथित देरी के कारण अपनी उड़ान से चूक गए। सभी निशानेबाजों की उम्र 18 साल से कम है और उन्हें बुधवार सुबह गोवा में होने वाली 12वीं पश्चिम क्षेत्र निशानेबाजी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को अकासा एयर के विमान से उड़ान भरनी थी। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए अकासा एयर ने कहा कि निशानेबाज 'विशेष निशानेबाजी उपकरणों की मौजूदगी में उनके सामान से जुड़ी अतिरिक्त सुरक्षा प्रक्रियाओं' के कारण विमान में सवार नहीं हो सके। विमान कंपनी ने कहा कि उनकी टीम आवश्यक सहायता प्रदान कर रही हैं और वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था की जा रही है। ये खिलाड़ी ओलंपियन गगन नारंग की निशानेबाजी अकादमी 'गन फॉर ग्लोरी' से हैं। एक निशानेबाज के पिता अतुल क्षीरसागर ने पीटीआई को बताया कि उड़ान मंगलवार शाम साढ़े पांच बजे रवाना होनी थी और सभी सात निशानेबाज अपने परिवार के चार सदस्यों के साथ दोपहर दो बजकर 30 मिनट से तीन बजकर 30 मिनट के बीच हवाई अड्डे पहुंच गए थे।

मेजर लीग सॉकरः इंटर मियामी ने सिएटल साउंडर्स को 3-1 से हराया

एजेंसी (हि.स.)

फोर्ट लौडरडेल

लियोनेल मेसी ने एक गोल और एक असिस्ट करते हुए इंटर मियामी को मंगलवार रात सिएटल साउंडर्स पर 3-1 की जीत दिलाई। यह मुकाबला लीग्स कप फाइनल में साउंडर्स से हार के दो हफ्ते बाद खेला गया। लीग्स कप फाइनल में 31 अगस्त को साउंडर्स ने इंटर मियामी को 3-0 से हराया था। लेकिन इस बार मेसी ने 12वें मिनट में शानदार आउटसाइड-ऑफ-द-फुट पास देकर जोर्डी आल्बा को असिस्ट किया और टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई।

41वें मिनट में आल्बा ने वापसी करते हुए मेसी को असिस्ट किया, जिन्होंने गेंद को नेट में डालकर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरूआत में ही रोड्रिगो डी पॉल के कॉर्नर पर इयान फ्रे ने हेडर से गोल कर इंटर मियामी की बढ़त 3-0 कर दी। सिएटल के लिए ओबेड वर्गास ने 69वें मिनट में गोल किया, जो मेक्सिको के स्वतंत्रता दिवस पर आया। इंटर मियामी के स्टार लुइस सुवारेज इस मैच में भी नहीं खेले। वह लीग्स कप फाइनल में विपक्षी कोचिंग स्टाफ पर थूकने की घटना के बाद लगी तीन मैचों की पाबंदी का दूसरा मुकाबला मिस कर रहे थे। मेसी के पास 76वें मिनट में दूसरा गोल करने का मौका था, लेकिन गोलकीपर स्टीफन फ्रे ने उनका प्रयास रोक दिया। वहीं, इंटर मियामी के नए खिलाड़ी माटेओ सिल्वेट्टी ने क्लब के लिए डेब्यू किया। इंटर मियामी अब अपना अगला मुकाबला शनिवार को डी.सी. यूनाइटेड के खिलाफ खेलेगी, जबकि सिएटल साउंडर्स रविवार को ऑस्टिन एफसी से भिड़ेगी।

फोटोः हि.स.

आज है अंतरराष्ट्रीय समान वेतन दिवस

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः।।

मनु स्मृति के श्लोक भारत जैसे पुरुष प्रधान देश में पूरी तरह लागू नहीं हो पाया है। इसका अर्थ यह है कि जहां नारी की पूजा की जाती है। वहां, देवता निवास करते हैं। देश में नारी को सम्मान तो मिला है, लेकिन समान हक नहीं मिल पाया है। इसका प्रमाण वेतन अनुपात है। वर्तमान समय में भी नारी को उनकी प्रतिभा के हिसाब से वेतन नहीं दिया जाता है। इस विषय पर गंभीरता से विचार करने के साथ ही आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है।

आज अंतरराष्ट्रीय समान वेतन दिवस है। यह हर साल 18 सितंबर को मनाया जाता है। इसे पहली बार साल 2020 में मनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को एक समान वेतन के लिए लोगों को जागरुक करना है। दुनियाभर के सभी देशों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं को कम वेतन दिया जाता है। कई रिपोर्टों में अनुपात को विस्तार से बताया गया है। भारत में भी समान वेतन में अनुपात देखा जाता है। विशेषज्ञों की मानें तो वर्तमान समय में भी लोगों के जागरुक होने के बावजूद वेतन अनुपात को एक समान करने में कई दशक लग जाएंगे।

18 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय समान वेतन दिवस, एक महत्वपूर्ण वैश्विक पालन है जो समान मूल्य के काम के लिए समान वेतन के लिए चल रहे संघर्ष पर प्रकाश डालता है। यह दिन मानवाधिकारों को बनाए रखने और सभी प्रकार के भेदभाव, विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ भेदभाव का मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एक महत्वपूर्ण मुद्दा जो इसे संबोधित करता है वह है लिंग वेतन अंतर, जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी है। लिंग वेतन अंतर असमानता का एक स्पष्ट प्रतिनिधित्व है। यह पुरुषों और महिलाओं की औसत कमाई के बीच के अंतर को निर्धारित करता है, जिसे आमतौर पर पुरुषों की कमाई के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है। उदाहरण के लिए, 2023 में, संयुक्त राज्य अमेरिका में महिलाएं पुरुषों द्वारा अर्जित प्रत्येक डॉलर के लिए औसतन 82 सेंट कमाती हैं। इस स्पष्ट अंतर का मतलब है कि महिलाओं को पुरुषों की तुलना में केवल 12 महीनों में कमाने के लिए 15 महीने से अधिक काम करना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय समान वेतन दिवस समकालीन समाज में अत्यधिक महत्व रखता है क्योंकि यह वेतन असमानता के निरंतर प्रसार को रेखांकित करता है। दशकों की प्रगति के बावजूद, यह दिन महिलाओं के लिए विभिन्न अभियानों और पहलों के माध्यम से इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय समान वेतन दिवस व्यक्तियों और संगठनों को इसके कार्यान्वयन के लिए रणनीतियों की पहचान कर-के इस कारण में शामिल होने के लिए प्रेरित करता है। यह सरकारों, व्यवसायों और नागरिक समाज सहित विभिन्न हितधारकों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देता है, ताकि लिंग वेतन अंतर को बंद करने में एक साथ काम किया जा सके। लिंग वेतन अंतर को पाटना सिर्फ एक नैतिक अनिवार्यता नहीं है; यह एक निष्पक्ष समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है जहां सभी को समान अवसर हों। एक ही काम के लिए पुरुषों की तुलना में महिलाओं को कम भुगतान करना प्रणालीगत अन्याय को बनाए रखता है। वेतन समानता प्राप्त करना अधिक न्यायसंगत और

अंतरराष्ट्रीय समान वेतन दिवस का इतिहास

संयुक्त राष्ट्र संघ ने लिंग वेतन अंतर के मद्देनजर नवंबर 2019 में एक प्रस्ताव किया। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य लिंग वेतन अंतर को समाप्त करना है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने दुनियाभर के सभी देशों के वेतन अनुपात पर संज्ञान लेकर सभा में 18 सितंबर को समान वेतन दिवस मनाने का प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। वहीं, साल 2020 में पहली बार 18 सितंबर को पहली बार अंतरराष्ट्रीय समान वेतन दिवस मनाया गया।

अंतरराष्ट्रीय समान वेतन दिवस का महत्व

जैसा कि आप जानते हैं कि पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को कमतर आंका जाता है। हालांकि, आज की तारीख में महिलाएं किसी से कम नहीं है। हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का परचम फहराया है। इसके लिए न केवल महिला, बल्कि समाज के सभी वर्गों के लोगों को एक सामान अधिकार और एक समान वेतन मिलना चाहिए। इससे समस्त समाज का कल्याण होगा। आम लोगों को भी जागरुक होने की जरूरत है। इससे समाज में व्याप्त अंतर कम होगा।

कटाई के बाद स्वतः पैदा हो जाता है बांस

हर साल 18 सितंबर के दिन 'विश्व बांस दिवस' मनाया जाता है। बांस सदियों से मनुष्य के जीवन के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। इसका इस्तेमाल सब्जी बनाने, जरूरत की वस्तुएं जैसे चारपाई, सीढ़ी और टिंबर, हिंदुओं में अर्थी आदि बनाने में किया जाता है। बांस को पर्यावरण के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। बांस की उपयोगिता और लाभ के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 18 सितंबर को 'वर्ल्ड बैंबू डे' मनाया जाता है।

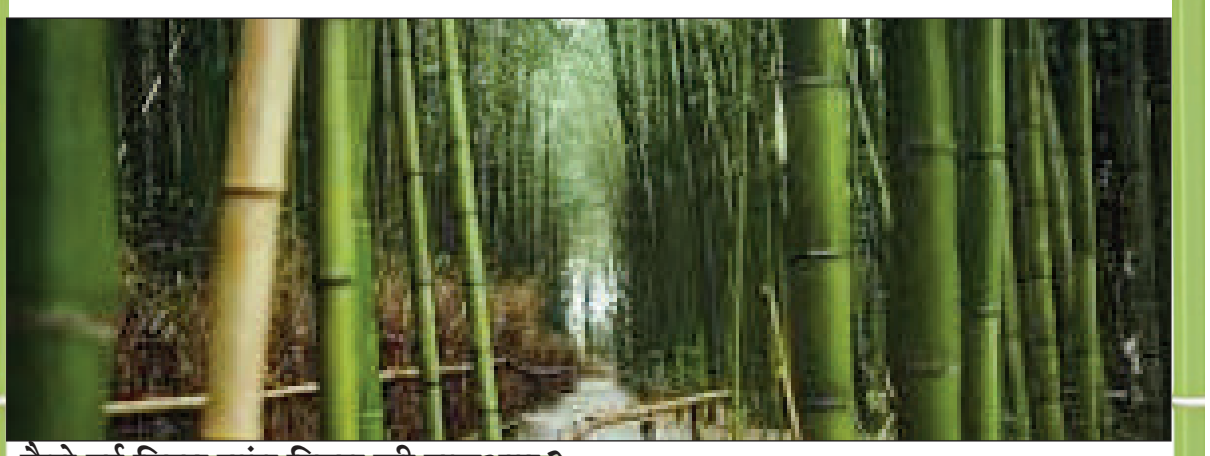

कैसे हुई विश्व बांस दिवस की शुरूआत?

'वर्ल्ड बैम्बू डे' को मनाने की शुरूआत साल 2009 में 'वर्ल्ड बैम्बू ऑर्गेनाइजेशन' ने की थी। बांस उगाने व इसके इस्तेमाल के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यह दिन मनाया जाता है। बांस केवल खाने या चीजें बनाने के ही काम नहीं आता बल्कि इसके कई और फायदे भी हैं। आज विश्व बांस दिवस पर यहां आप इससे जुड़े कुछ दिलचस्प तथा रोचक तथ्य जान सकते हैं।

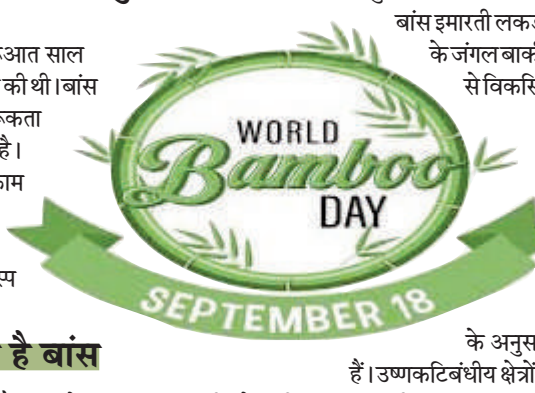

खाने के काम भी आता है बांस

कई जगहों पर बांस को खाया जाता है। पांडा के अलावा इंसान भी इसे खाते हैं। बैंबू के 'शूट्स' का सेवन स्टू, सूप, ग्रेवी, अचार और सलाद के तौर पर किया जाता है। बांस सबसे अधिक दक्षिण-पूर्व एशिया, भारतीय उप-महाद्वीप और प्रशांत महासागर के द्वीपों पर पाए जाते हैं। यह कटाई के बाद स्वतः पैदा हो जाता है।

सबसे तेजी से बढ़ने वाला पौधा है बांस

पृथ्वी पर बांस सबसे तेजी से बढ़ने वाला पौधों में से एक है। बांस की कुछ प्रजातियां प्रतिदिन लगभग 1 मीटर तक बढ़ सकती हैं। बांस इमारती लकड़ी यानी टिंबर भी अर्पित करता है। बांस के जंगल बाकी पेड़ों के जंगलों की तुलना में बहुत तेजी से विकसित हो जाते हैं। सबसे तेजी से बढ़ने वाले पौधे का विश्व रिकार्ड बांस की 45 प्रजातियों में से कुछ प्रजातियों के नाम है, जो प्रतिदिन 91 सेमी (35 इंच) या 0.00003 किमी/घंटा (0.00002 मील प्रति घंटे) की दर से बढ़ते पाए गए हैं। आरएचएस डिक्शनरी ऑफ गार्डनिंग के अनुसार, बांस की लगभग 1,000 प्रजातियां हैं। उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सबसे ऊंचा बांस कथित तौर पर 40 मीटर (130 फीट) ऊंचा था, यूरोप और अमेरिका में 20-30 मीटर (65-98 फीट) सबसे ऊंचा बांस है।

ऑक्सीजन का स्त्रोत है बांस

बांस अन्य पेड़ों से ज्यादा ऑक्सीजन पैदा करता है। बांस उनकी तुलना में 35 प्रतिशत अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। बांस के पौधे भारी मात्रा में ग्रीन हाउस गैसों को अवशोषित करते हैं। यह 'कार्बन सिंक' के तौर पर काम करता है।

मुख्य सचिव ने स्वच्छता ही सेवा 2025 का शुभारंभ किया

स्वच्छता लक्ष्य इकाइयाँ, हरित उत्सव एवं सफाई मित्र कल्याण पर विशेष फोकस

संवाददाता
चंडीगढ़

स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2025 अभियान के 9वें संस्करण की ऊजार्वान शुरूआत करते हुए यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव, श्री राजीव वर्मा, आईएएस ने आज स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इस शहरव्यापी पहल का औपचारिक शुभारंभ किया। 15 दिवसीय यह अभियान, जिसका नाम स्वच्छोत्सव झ हँङ्क्ष्ी ड्ड ऋङ्क्ष्प्ी१ल्लौल्ल३ ल्लाहँङ्क्ष्ी ड्ड रङ्क्ष्३८ रखा गया है, प्रतिष्ठित रोज गार्डन से आरंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत सफाई मित्रों द्वारा रिड्यूस, रियूज और रीसायकल (फ्फ्फ़) के सिद्धांतों का प्रतीक मानव श्रृंखला बनाकर की गई। इसके बाद स्वच्छता रैली तथा अभियान की अवधि के लिए नगर निगम द्वारा जुटाए गए जनशक्ति और स्वच्छता उपकरणों की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाला यह अभियान गांधी जयंती पर सम्पन्न होगा और सिटी ब्यूटीफुल में बड़े पैमाने पर जनभागीदारी को प्रेरित करेगा। यह अभियान भारतीय उत्सव काल की सांस्कृतिक ऊर्जा को नागरिक उत्तरदायित्व से जोड़ते हुए स्वच्छता को जीवनशैली बनाने का संदेश देता है।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव श्री राजीव वर्मा ने उत्सव और उत्तरदायित्व के संगम पर बल दिया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता लक्ष्य इकाइयाँ शहर के अंधेरे, गंदे या उपेक्षित स्थल झ चिन्हित कर शीघ्रता से परिवर्तित और सुंदर बनाए जाएंगे। यह कार्य केवल अभियान के दौरान ही नहीं बल्कि दीर्घकालीन रूप से जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में एसएचएस 2025 का केंद्र बिंदु है झ सीटीयू का कायाकल्प, सफाई मित्रों का कल्याण एवं सुरक्षा, और प्लास्टिक-मुक्त, टिकाऊ शहरी वातावरण का निर्माण। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर स्वच्छता ही सेवा के उत्सव में भाग लेने की अपील की।

गृह सचिव ने स्थानीय सरकार सचिव, मंजीप सिंह बराड़ ने स्वच्छोत्सव के पाँच प्रमुख फोकस क्षेत्रों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इनमें शामिल हैं झ सीटीयू का तेजी से कायाकल्प, सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियाँ, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर (जहाँ सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमा हेतु एकल खिड़की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी), हरित एवं शून्य-अपशिष्ट उत्सव का प्रोत्साहन, तथा जिम्मेदार स्वच्छता व्यवहार हेतु जागरूकता अभियान। उन्होंने बताया कि एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान कार्यक्रम 25 सितम्बर को आयोजित होगा जिसमें नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, एसबीएम एम्बेसडरों, युवा समूहों, एनजीओ, साझेदार संगठनों और इन्फ्लुएंसर्स की सक्रिय भागीदारी होगी। शिविरों के दौरान फ्रंटलाइन सफाई मित्रों को उनके अथक योगदान के लिए सम्मानित भी किया जाएगा।

नगर निगम आयुक्त, श्री अमित कुमार, आईएएस ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए 15 दिवसीय पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। इनमें शामिल हैं झ क्लीन पार्क ड्राइव्स, स्वच्छ स्कूलझस्वच्छ कल अभियान, वेस्ट टू आर्ट प्रदर्शनी, आरडब्ल्यूए एवं मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से लक्षित स्वच्छता अभियान, स्वच्छ कंजक कार्यक्रम, प्लास्टिक संग्रह अभियान तथा अभियान के समापन पर स्वच्छता चैंपियंस का भव्य सम्मान समारोह।

उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया, जो इस अवसर पर शुरू की गई। इसमें सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु पंजीकरण एवं प्रविष्टियाँ डिजिटल लिंक के माध्यम से जमा की जा सकती हैं। शुभारंभ कार्यक्रम स्वयं एक शून्य-अपशिष्ट आयोजन था, जिसमें स्थिरता दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया गया, यह दशार्ते हुए कि बड़े जन आयोजनों को भी पर्यावरणझअनुकूल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में चंडीगढ़ प्रशासन एवं नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने स्वच्छता और नागरिक गर्व की दिशा में एकजुट और दृढ़ संकल्पित दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित किया।

स्वच्छता ही सेवा 2025 चंडीगढ़ की स्वच्छता, सतत विकास और समावेशी शहरी प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है और सभी नागरिकों से परिवर्तन के वाहक बनने का आह्वान करता है।

इस अवसर पर श्री सौरभ कुमार, आईएफएस, सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं नवीकरणीय ऊर्जा; श्री स्वप्निल एम. नाइक, आईएएस, सचिव आतिथ्य; श्री प्रदीप कुमार, आईएएस, विशेष आयुक्त एमसीसी; श्री हिमांशु गुप्ता, संयुक्त आयुक्त एमसीसी तथा नगर निगम और चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

उपायुक्त ने रेडक्रास सोसायटी के ट्रकों को अमृतसर और गुरदासपुर के लिए रवाना किया

चंडीगढ़। श्री निशांत कुमार यादव, आईएएस, उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, यू.टी. शाखा चंडीगढ़ ने चार ट्रकों के काफिले को अमृतसर और गुरदासपुर के लिए रवाना किया, जिनमें हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों हेतु राहत सामग्री भेजी गई है। इस राहत सामग्री में आवश्यक राशन, पशु आहार, तिरपाल, बर्तन और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएँ शामिल हैं। यह प्रेषण रेडक्रॉस चंडीगढ़ शाखा की ओर से भेजी गई दूसरी खेप है, इससे पूर्व इस माह की शुरूआत में तीन ट्रक सामग्री भेजी जा चुकी है। इस अवसर पर उपायुक्त-सह-अध्यक्ष ने पंजाब की जनता के प्रति गहरी एकजुटता व्यक्त की और आश्वस्त किया कि चंडीगढ़ शाखा रेडक्रॉस बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करती रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता केवल दानदाताओं के उदार सहयोग से ही संभव हो पाती है। इस पुनीत कार्य में रेडक्रॉस का सहयोग करने वाले हिंदू पर्व महासभा (रजि.), क्षत्रिय खुखरेन सभा तथा सुप्रीम सीनियर सिटिजन वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) आदि संगठनों को समाज के प्रति उनके निस्वार्थ मानवीय योगदान के लिए रेडक्रॉस द्वारा सम्मानित किया गया। रेडक्रॉस सोसायटी, चंडीगढ़ ने नागरिकों एवं संस्थाओं से अपील की है कि वे पूरे मनोयोग से सहयोग करते रहें ताकि आने वाले दिनों में और अधिक राहत सामग्री बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भेजी जा सके।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विकास दिवस पर एमवाई द्वारा रॉक गार्डन में रक्तदान शिविर का आयोजन

चंडीगढ़। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विकास दिवस पर, मेरा युवा भारत (एमवाई भारत) चंडीगढ़, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने युवास्तंभ वेलफेयर एसोसिएशन, ग्लोबल यूथ फेडरेशन एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के सहयोग से रॉक गार्डन, चंडीगढ़ में एक मेगा रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। शिविर में कुल 32 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान अभियान के साथ-साथ दाताओं को भारत सरकार के स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान एवं स्टेम सेल डोनेशन के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर एमवाई भारत, चंडीगढ़ के जिला युवा अधिकारी श्री विनय कुमार ने जागरूकता सत्र का संचालन किया। यह उल्लेखनीय है कि माननीय प्रधानमंत्री अपने कई संबोधनों में रॉक गार्डन का उल्लेख रचनात्मकता, स्थिरता और जनभागीदारी के प्रतीक के रूप में कर चुके हैं, जो इस सार्थक पहल के लिए एक उपयुक्त स्थल साबित हुआ। इस अवसर पर युवास्तंभ वेलफेयर एसोसिएशन से श्री उपेंद्र मौर्य, ग्लोबल यूथ फेडरेशन से श्री रोहित, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद से श्री मोहित गोयल तथा एमवाई भारत चंडीगढ़ से मिस प्रीतिका, श्री निर्मल और श्री कुलजीत ने सक्रिय योगदान दिया, जिनके प्रयासों से शिविर का सफल आयोजन संभव हो सका। यह मेगा रक्तदान शिविर सेवा, संकल्प और समर्पण की भावना का प्रतीक रहा, जिसने युवाओं को राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण में योगदान हेतु प्रेरित किया।

एनएचपीसी लिमिटेड,क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के कार्मिकों ने ली स्वच्छता-शपथ

चंडीगढ़। विद्युत मंत्रालय के निदेर्शानुसार एनएचपीसी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ में स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा -2025 का आयोजन दिनांक 17.09.2025 से 30.09.2025 तक किया जा रहा है जिसमे प्रतिदिन एक स्वछता का कार्यक्रम/गतिविधि की जाएगी। इसके अंतर्गत आज दिनांक 17.09.2025 को शुरूआत करते हुए, क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के प्रमुख- कार्यपालक निदेशक श्री आदित्य गौतम द्वारा सभी कार्मिकों को स्वच्छता-शपथ दिलाई गई । इस शपथ में सभी ने अपने अपने कार्यस्थल एवं आस पास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देने की शपथ ली ।

रामलीला बनेगी प्रेरणाः इस बार मंच से गूँजेगा संदेश- पर्यावरण बचाओ

संवाददाता
मोहाली

श्रीरामलीला एवं दशहरा कमेटी, मोहाली (फेज-1) इस साल अपने भव्य आयोजन में एक विशेष पहल करने जा रही है। पारंपरिक मंचन और रावण दहन के साथ-साथ इस बार का मुख्य थीम रखा गया है झ पर्यावरण संरक्षण । हाल ही में कई राज्यों में आई बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रकृति से खिलवाड़ इंसान को भारी पड़ सकता है। ऐसे में रामलीला के मंच से लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश देना समय की जरूरत भी है और सामाजिक ज़िम्मेदारी भी।

- रामलीला में इस बार विशेष संदेशः पर्यावरण संरक्षण ही धर्म
- आस्था के संग पर्यावरण का पाठ पढ़ाएगी मोहाली की रामलीला

समिति अध्यक्ष आशु सूद ने बताया कि इस बार मंचन के कई दृश्यों को इस तरह से प्रस्तुत किया जाएगा कि दर्शक उनसे प्रेरित होकर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि रामायण के आदर्शों के साथ-साथ समाज को यह भी समझाया जाए कि वृक्ष, जल और वायु की रक्षा करना भी उतना ही बड़ा धर्म है। समिति के प्रेस सचिव प्रिंस मिश्रा ने बताया कि रामलीला मैदान में हर दिन पर्यावरण जागरूकता से जुड़े संदेश पोस्टर और बैनर के माध्यम से दिखाए जाएंगे। साथ ही, कार्यक्रम स्थल पर ग्रीन जोन भी बनाया जाएगा, जहाँ पौधारोपण और स्वच्छता अभियान से जुड़ी जानकारी लोगों को दी जाएगी।

बुजुर्ग दर्शक और वरिष्ठ सदस्य बताते हैं कि पहले रामलीला केवल धार्मिक आयोजन मानी जाती थी, लेकिन अब इसे समाज को दिशा देने वाले मंच के रूप में देखा जा रहा है। मोहाली की रामलीला इस बार केवल प्रभु श्रीराम के आदर्श ही नहीं, बल्कि पर्यावरण बचाने का संकल्प भी घर-घर तक पहुँचाएगी।

सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्र के उद्घाटन के साथ पोषण माह 2025 की शुरूआत

संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ प्रशासन के समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग ने आज पोषण माह 2025 की शुरूआत कई कार्यक्रमों के साथ की, जिनका उद्देश्य कुपोषण से मुकाबला करना और महिलाओं, बच्चों एवं समुदाय में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है।सेवा पखवाड़ा (17 सितम्बर- 2 अक्टूबर 2025) के अंतर्गत और पोषण माह 2025 के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर सेक्टर 19-बी में सक्षम आंगनवाड़ी सह-क्रेच केन्द्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती अनुराधा एस. चगटी तथा निदेशक, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, डॉ. पलिका अरोड़ा उपस्थित रहीं। यह उन्नत केन्द्र प्रारंभिक बाल देखभाल, शिक्षा और पोषण सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो बच्चों को सुरक्षित, समावेशी और पोषक वातावरण उपलब्ध कराएगा।कार्यक्रम में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण तथा सभी 450 आंगनवाड़ी केन्द्रों में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिससे पोषण और स्वास्थ्य के प्रति चंडीगढ़ की सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराया गया।साथ ही गोध भराई समारोह आयोजित कर गर्भवती माताओं को सम्मानित किया गया और मातृ देखभाल एवं पोषण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना शिविर का आयोजन भी जीएमएसएच-16 में किया गया, जिसमें गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को सहायता और जागरूकता प्रदान की गई। इन प्रमुख पहलों के साथ-साथ, शहरभर में स्वास्थ्य जांच शिविर, एनीमिया स्क्रीनिंग, स्वच्छता अभियान, पोषण किट वितरण तथा गहन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि जन आंदोलन को और मजबूती मिले और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण के परिणाम बेहतर हो सकें।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर ननकाना साहिब जाने वाले सिख जत्थे को अनुमति दी जाए : हरमीत सिंह कालका की मांग

संवाददाता
चंडीगढ़/नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने आज जारी बयान में केंद्र सरकार द्वारा नवंबर माह में पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा ननकाना साहिब में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व समारोह में सिख जत्थे को न भेजने के निर्णय पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि वर्षों से चली आ रही आस्था और श्रद्धा केवल सिखों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे विश्व में गुरु नानक साहिब के चरणों से जुड़े प्रत्येक श्रद्धालु की है। हर साल श्रद्धालुओं की इच्छा होती है कि वे गुरु साहिब के जन्मस्थान ननकाना साहिब जाकर प्रकाश पर्व समारोह में शामिल हों। अब सुरक्षा कारणों का हवाला देकर केंद्र सरकार द्वारा इस यात्रा पर रोक लगाने की कोशिश की गई है। मैं सरकार से अपील करता हूं कि कम से कम एक जत्थे को तो अवश्य जाने की अनुमति दी जाए।

कालका ने सुझाव दिया कि यदि वीजा की संख्या लगभग 3,000 से घटाकर 500 भी कर दी जाए और यात्रा का समय 10 दिनों की जगह केवल 5 दिन ही सीमित कर दिया जाए, तब भी संगत को इस धार्मिक यात्रा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को अपने आदेश पर पुनर्विचार और संशोधन करना चाहिए। डीएसजीएमसी इस मुद्दे पर सरकार से बातचीत करेगी और जरूरत पड़ने पर व्यक्तिगत स्तर पर भी मुलाकात की जाएगी।

श्री कालका ने केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह को पत्र लिखकर भी अपील की है कि गुरु नानक साहिब के लाखों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का ध्यान रखते हुए इस यात्रा की अनुमति दी जाए। इससे पहले अगस्त माह में भी उन्होंने गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी को इस संबंध में पत्र लिखा था। अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, यह सोचने वाली बात है कि यदि पाकिस्तान की क्रिकेट टीम भारतीय टीम के साथ मैच खेल सकती हैं, तो सिख संगत की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें भी ननकाना साहिब जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। सरकार को इस संवेदनशील मामले पर संतुलित निर्णय लेना चाहिए, क्योंकि संगत की धार्मिक भावनाओं को ठेस न लगे।

उन्होंने कहा कि यह भी एक बड़ी चिंता की बात है कि करतारपुर साहिब कॉरिडोर अभी भी बंद है। यह कॉरिडोर कई वर्षों की अरदासों के बाद खोला गया था, इसलिए इसे जल्द से जल्द फिर से खोलने की मांग भी की जाएगी। कालका ने यह भी स्वीकार किया कि यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार पर है। हम केवल सरकार को दोषी नहीं ठहरा सकते क्योंकि यदि कोई अप्रिय घटना घटती है तो यात्रियों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सरकार की बनती है।

दोनों पक्षों को ध्यान में रखना जरूरी है। लेकिन मेरा मानना है कि यात्रियों की संख्या घटाना, दिन कम करना और दोनों देशों के बीच माहौल सुधारने की दिशा में कदम उठाना इस समय सबसे बेहतर समाधान हो सकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर सांसद कार्तिकेय शर्मा ने 300 श्रमिकों को किया सम्मानित

संवाददाता
पंचकूला

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर आज सांसद कार्तिकेय शर्मा पिंजौर की सेब मंडी पहुंचे। यहा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने 300 श्रमिकों को सम्मानित किया। श्रमिकों को मिठाई बांटकर प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया।

उन्होंने कहा कि हमारे श्रमिक देश की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत मददगार है उन्हें उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित करना हमारी जिम्मेदारी है। उसके बाद सांसद कार्तिकेय शर्मा कालका के काली माता मंदिर पहुँचे यहाँ उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर हवन किया और उनकी दीघार्यु की कामना की। इस अवसर पर सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि आज हर भारतवासी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जीवन से प्रेरणा ले रहा है, उनकी जीवनशैली को देख रहा है, जिस तरीके से उन्होंने जीवन जीआ, उनका हमें अनुसरण करना चाहिए। उनके जन्म दिवस को मनाना चाहिए और जानना चाहिए कि किस तरह से उन्होंने त्याग भावना से जीवन जी कर देश के नवनिर्माण में अहम भूमिका निभाई। आज हर भारतीय खुद को गर्वित महसूस करता है।प्रधानमंत्री ने 11 वर्षों में बच्चों से लेकर बुजुर्ग, महिला हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाई। चाहे आयुष्मान भारत हो, लाडली बेटी, ड्रोन दीदी हो अनेक ऐसी योजनाएं है जिनका सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है ।उन्होंने कहा की आज हम सब उनकी लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं ताकि लंबे समय तक हमें उनका सानिध्य और प्रेम मिलता रहे और भारत अपने विकास रथ पर आगे बढ़ता रहे।

वन एवं वन्यजीव विभाग, यूटी चंडीगढ़ ने सेवा पखवाड़ा 2025 पर 300 पौधे रोपित कर किया उत्सव का आयोजन

चंडीगढ़। सेवा पखवाड़ा 2025 के उपलक्ष्य में, वन एवं वन्यजीव विभाग, यूटी चंडीगढ़ ने शहरभर में पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण अभियान आयोजित किया। इस पहल के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर कुल 300 पौधे लगाए गए। मुख्य कार्यक्रम कालोनी नंबर 4 में आयोजित किया गया, जहाँ 200 पौधों का रोपण गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी से किया गया। इस अवसर पर श्री ज्ञान चंद गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा एवं अध्यक्ष, पर्यावरण स्थायी समिति, प्रशासक की सलाहकार परिषद, चंडीगढ़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ समिति के सदस्य डॉ. रविंदर नाथ, श्री मनमोहन खन्ना एवं श्री जगदीश वालिया भी उपस्थित थे। श्री एन.के. झिंगन (एन्वायरनमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया) ने भी इस पहल में भाग लिया। अपने संबोधन में श्री ज्ञान चंद गुप्ता ने पौधारोपण को पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी सेवा बताया। उन्होंने कहा, पेड़ लगाना समाज की सेवा का सबसे सार्थक तरीका है। यह न केवल पर्यावरणीय संतुलन में योगदान देता है बल्कि सामूहिक नागरिक उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रेरित करता है। इस अवसर पर बोलते हुए श्री सौरभ कुमार, मुख्य वन संरक्षक, चंडीगढ़ ने कालोनी नंबर 4 के कायाकल्प को रेखांकित किया। उन्होंने कहाः यह क्षेत्र एक बड़े परिवर्तन का प्रतीक है–एक अतिक्रमित बस्ती से एक पुनर्जीवित शहरी वन तक का सफर। यह परिवर्तन केवल भौतिक नहीं बल्कि प्रतीकात्मक भी है, जो शहरी क्षेत्रों में पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने के प्रति चंडीगढ़ की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह हरे-भरे फेफड़े शहरवासियों के लिए पर्यावरणीय और मनोरंजन दोनों दृष्टियों से उपयोगी सिद्ध होंगे। कालोनी नंबर 4 के कार्यक्रम के अतिरिक्त, नगर वन में भी एक पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया, जहाँ 100 पौधे लगाए गए, जिससे चंडीगढ़ की हरित आच्छादन में और वृद्धि हुई।

स्वीडिश मेडिकल छात्र शामिल हुए, पीजीआईएमईआर की महिला-केंद्रित देखभाल, पैमाने और दक्षता की सराहना की

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत पीजीआईएमईआर में आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर को जनता का जबरदस्त समर्थन मिला

संवाददाता
चंडीगढ़

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ ने भारत सरकार के प्रमुख अभियान स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत एक मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। शिविर को समुदाय से जबरदस्त समर्थन मिला, जिसने शीघ्र पहचान, निवारक देखभाल और जागरूकता सृजन के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को मजबूत करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इसमें एक वैश्विक आयाम जोड़ते हुए, स्वीडन के लुंड विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष के मेडिकल छात्रों के एक समूह ने भी भाग लिया, जो वर्तमान में एडवांस्ड पीडियाट्रिक सेंटर (एपीसी) में एक वैकल्पिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में हैं। प्रतिनिधिमंडल ने पीजीआईएमईआर के निदेशक प्रो. विवेक लाल और संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया और शिविर के पैमाने, दक्षता और जन-केंद्रित दृष्टिकोण की सराहना की।

पीजीआईएमईआर के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की भागीदारी भारत की स्वास्थ्य पहलों की वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित करती है। पीजीआईएमईआर में, हम महिलाओं के स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यह देखकर खुशी होती है कि हमारे प्रयासों की सीमाओं से परे भी सराहना हो रही है। इस तरह के आदान-प्रदान दोनों पक्षों को समृद्ध बनाते हैं और स्वस्थ समाजों के लिए हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को मजबूत करते हैं।

एक अतिथि छात्रा, सुश्री टिल्डा गुन्नारसन ने कहा, इस शिविर का आयोजन और पहुँच वास्तव में प्रेरणादायक है। धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रही महिलाओं की लंबी कतारें और हर चिंता का समाधान करने का प्रयास देखना प्रेरणादायक था। पीजीआईएमईआर की करुणा और दक्षता को जोड़ने की क्षमता कुछ ऐसी है जिसे हम अपनी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में दोहराने की आकांक्षा रखते हैं।

उनकी भावनाओं को दोहराते हुए, सुश्री पावेल लार्सन ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली बात यह रही कि जागरूकता, जाँच और उपचार को एक ही छत के नीचे कितनी सहजता से एकीकृत किया गया है। महिलाओं के स्वास्थ्य पर जोर न केवल व्यक्तियों को, बल्कि पूरे परिवार को सशक्त बनाता है। यह ऐसी स्वास्थ्य सेवा है जो सुलभ और अत्यंत मानवीय दोनों है।

अपनी टीम की साथियों के साथ, सुश्री मारिया कोकेरिट्ज और सुश्री माई स्टेंसन ने कहा, यहाँ की ऊर्जा, करुणा और प्रतिबद्धता असाधारण है।बहुत कम बड़े पैमाने की पहलों में इस तरह के विस्तार पर ध्यान दिया जाता है। निवारक देखभाल और शीघ्र पहचान पर ध्यान विशेष रूप से मूल्यवान है। हमारे लिए, यह एक ऐसा अनुभव रहा है जो पाठ्यपुस्तकों से कहीं आगे की शिक्षाओं से भरा है। स्केन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के संकाय के नेतृत्व में लुंड विश्वविद्यालय का प्रतिनिधिमंडल 15 से 19 सितंबर तक पीजीआईएमईआर में है। उनका वैकल्पिक पाठ्यक्रम निम्न और मध्यम आय वाले परिवेशों में बाल रोग पर केंद्रित है, जो भारत में विविध नैदानिक प्रस्तुतियों, स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकताओं और संरचित कार्यप्रवाह का अनुभव प्रदान करता है। उनके कार्यक्रम में वार्ड राउंड, विशेष क्लीनिक, शैक्षणिक सत्र और आपातकालीन देखभाल अवलोकन शामिल हैं।

प्रोफेसर अरुण बंसल और संजय वर्मा द्वारा संचालित यह सहयोग, पारस्परिक शिक्षा को बढ़ावा देने और वैश्विक चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने का प्रयास करता है। इस यात्रा ने न केवल जन स्वास्थ्य आउटरीच में पीजीआईएमईआर की भूमिका को उजागर किया, बल्कि स्वास्थ्य सेवा में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान और सहयोग के केंद्र के रूप में इसकी स्थिति को भी सुदृढ़ किया।